CMYK

तापमान

अधिकतम-24°C

न्यूनतम-07°C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

भाजपा सरकार की गलत नीतियों और उपेक्षा से किसान बेहालः अखिलेश यादव 3

कोयला व्यवसायी रूंगटा को धमकाने में मुख्तार अंसारी दोषी 4

वर्ष : 09 अंक : 251 प्रयागराज, शनिवार 16 दिसम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये

सुरक्षा चूक के मामले पर विपक्ष का जोरदार हंगामा, दोनों सदन सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक मामले को लेकर संसद में हंगामें के बीच लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदन को सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया है। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर शुक्रवार को भी जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण सदन में कोई कामकाज नहीं हो सका और कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी दलों के सदस्य सुरक्षा चूक के मामले पर सदन में गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य और चर्चा की मांग कर रहे हैं। सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे आरंभ होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा करने लगे। पीठासीन सभापति किरीट सोलंकी ने कार्यवाही सोमवार 11 बजे तक के लिए तत्काल स्थगित कर दी। इससे पहले, पूर्वाह्न 11 बजे सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्ष के सदस्य संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप आ गए। विपक्ष के सांसद इस मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह के सदन में बयान देने की मांग कर रहे थे। कुछ सदस्यों के हाथों में पोस्टर भी थे। एक पोस्टर पर संसद में सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग लिखी हुई थी। कुछ सदस्य गृहमंत्री शाह के इस्तीफे की मांग भी कर रहे थे। कुछ विपक्षी सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफकार्रवाई की भी मांग कर रहे थे, जिनके हस्ताक्षर से मिले 'पास पर संसद भवन में प्रवेश करने वाले दो युवक बुधवार को लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूद गए थे। पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही सेकेंड के भीतर अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों ने बृहस्पतिवार को भी सदन में हंगामा किया था। सदन में आसन की अवमानना और अनादर के लिए बृहस्पतिवार को कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) समेत विपक्ष के 13 सदस्यों को मौजूदा शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। लोकसभा में कांग्रेस के वीके श्रीकंदन, बेनी बेहनन, मोहम्मद जावेद, मणिकम टैगोर, टी एन प्रतापन, हिबी इडेन, जोतिमणि, रम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस, द्रमुक की कनिमोई, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एस. वेंकटेशन और पी. आर. नटराजन तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के के. सुब्बारायन का निलंबन हुआ है।

अगर संसद सुरक्षित नहीं है, तो क्या देश सुरक्षित है, राज्यसभा में बोले आप सांसद राघव चड्ढा

नई दिल्ली। जब हमारे देश में सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जगह में उल्लंघन हो रहा है तो हमारा देश कैसे सुरक्षित है?...हालिया सुरक्षा उल्लंघन की घटना पर संसद में चर्चा की मांग करते हुए आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को सवाल किया। राघव चड्ढा ने पूछा, क्या विपक्षी सांसद कुछ नाजायज मांग कर रहे हैं? क्या वे कुछ गलत कह रहे हैं? वे सिर्फ इतना कह रहे हैं कि देश की सबसे सुरक्षित इमारत की सुरक्षा में सेंध पर चर्चा होनी चाहिए। मुझे लगता है कि सरकार को मांग मान लेनी चाहिए। राघव चड्ढा ने कहा, यह किसी विशेष पार्टी या पार्टी की राजनीति का मामला नहीं है, बल्कि सबसे सुरक्षित इमारत भारतीय संसद का मामला है। अगर संसद सुरक्षित नहीं है, तो क्या देश सुरक्षित है। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि अगर लोकसभा अध्यक्ष ने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से सुझाव मांगे हैं, तो मुझे लगता है कि उन्हें सुधार के लिए सुझाव देना चाहिए। वे बाधाएं पैदा करके कुछ हासिल नहीं करेंगे। इस बीच, दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार को संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में गिरफ्तार सभी चार आरोपियों को सात दिन की हिरासत में भेज दिया। पांचवें आरोपी ललित झा को भी दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को मांग की कि गृह मंत्री अमित शाह को संसद में बयान देना चाहिए था, जिससे पूरा संकट सुलझ सकता था।

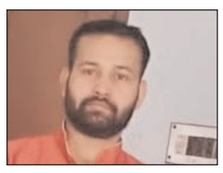

लोकसभा सुरक्षा में सेंध के मास्टरमाइंड ललित झा ने दिल्ली पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले के कथित मास्टरमाइंड ललित झा ने गुरुवार रात दिल्ली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। जांच से जुड़े अधिकारियों ने आईएएनएस को फोन पर यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने कहा, हां, झा हमारी हिरासत में है। हम उससे पूछताछ के बाद और जानकारी साझा करेंगे। झा ने नयी दिल्ली जिले के कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। एक सूत्र ने कहा, आगे की जांच के लिए उसे स्पेशल सेल को सौंप दिया गया है। इससे पहले गुरुवार को, इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए चार मुख्य आरोपियों - सागर शर्मा, मनोरंजन डी., नीलम आजाद और अमोल शिंदे को दिल्ली की एक अदालत ने सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।मनोरंजन मैसूर का रहने वाला, जबकि सागर लखनऊ का, नीलम हरियाणा के जिंद की रहने वाली है, जबकि अमोल महाराष्ट्र के लातूर का रहने वाला है।पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में उनके और बिहार के मूल निवासी झा के खिलाफदर्ज मामले में धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 452 (अतिक्रमण), 153 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसाना), 186 (लोक सेवकों के काम में बाधा डालना), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 353 (लोक सेवकों को कर्तव्य से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल), साथ ही गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16 और 18 लगाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, पांचों मुख्य आरोपियों ने कथित तौर पर घटना से पहले रात गुरुग्राम के सेक्टर 7 में विक्रम उर्फ विक्की शर्मा नाम के व्यक्ति के आवास पर बिताई थी। वे बुधवार सुबह 8 बजे घर से निकले थे। मामले के सिलसिले में हिरासत में लिए गए विक्रम और उसकी पत्नी राखी को घंटों पूछताछ के बाद गुरुवार शाम को जाने दिया गया। एक सूत्र के अनुसार, झा ने अपनी योजना को अंजाम देने से ठीक पहले चार अन्य आरोपियों के मोबाइल फोन ले लिए और जल्दबाजी में भाग निकला। झा ने कथित तौर पर संसद के बाहर अमोल और नीलम के विरोध प्रदर्शन को भी फिल्माया और इसे नीलक्खा आइच नाम के एक व्यक्ति के साथ साझा किया, जो पश्चिम बंगाल में एक एनजीओ (सामोवादी सुभाष) से जुड़ा हुआ है।

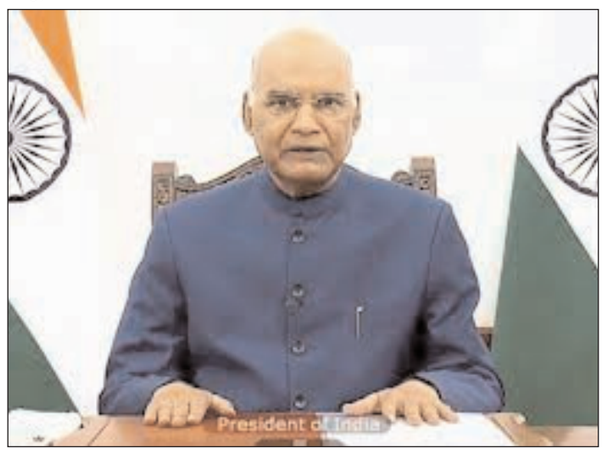

पानी व खाने में बढ़ते प्लास्टिक के अंश पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जताई चिंता

प्रयागराज। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जल और खानपान की चीजों में प्लास्टिक के अंश मिलने पर चिंता व्यक्त की है। टिशू कल्चर के माध्यम से मोती बनाने वाले प्रयागराज के स्वतंत्र वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने शुक्रवार को बताया कि वह हाल ही में नयी दिल्ली स्थित पूर्व राष्ट्रपति के आवास पर उनसे भेंट कर दुनिया के अनेकों प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में ''प्लस्टिक के बढ़ते खतरे पर किए शोध के बारे में जानकारी दी।

पूर्व राष्ट्रपति ने डॉ. सोनकर के शोध को पढ़कर प्लास्टिक के खतरों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त किया। डॉ. सोनकर से मिलने और उनके शोध को पढ़ने के बाद पूर्व राष्ट्रपति ने 11 दिसंबर को अपने एक संदेश में लिखा, ''मैंने 2004 से अजय की महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धियों को देखा है। वर्ष 2004 में मुझे अंडमान में उनकी प्रयोगशाला में जाकर बहुमूल्य मोती बनाने की तकनीक देखने का अवसर मिला। मैं उनकी वैज्ञानिक क्षमता से अति प्रभावित हूं।

मानव और पृथ्वी को प्लास्टिक के खतरों से बचाने के लिए वैज्ञानिक पद्धति अपनानी होगी। हमारे ग्लेशियर, पानी और जीवन के अन्य संसाधन इस खतरे की चपेट में हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने संदेश पत्र में लिखा है डॉ. सोनकर ने उन्हें बताया कि कैसे माइक्रोन आकार के प्लास्टिक के कण हर जगह फैल गए हैं, जो पृथ्वी पर मनुष्यों सहित सभी प्राणियों और पौधों के जीवन को नष्ट कर रहे हैं। कैसे वह प्लास्टिक कचरा जिसे आदमी ने अपने घर की सफाई के बाद बाहर फेंक दिया था, भोजन की थालियों और पेय पदार्थों में वापस लौट रहा है। यह स्थिति भयावह है। प्लास्टिक के सूक्ष्म कण वाष्पीकृत होकर बादलों में पहुँच जाते हैं, और बरस कर पूरी पृथ्वी को बीमार कर रहे हैं। हमारी सुदूर वन संपदा, ग्लेशियर, जल स्त्रोत, सब कुछ विनाश के कगार पर पहुंच गया है। मैं डॉ. अजय के असाधारण प्रयासों के लिए हृदय से उनकी सराहना करता हूं।

खबरें एक नजर में

अभी भी आईसीयू में है एक्टर श्रेयस तलपड़े

मुंबई। अभिनेता श्रेयस तलपड़े को दिल का दौरा पड़ा है और मुंबई में उनकी एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी हुई है। अस्पताल के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रेयस (47) ने वीरवार को बेचौनी की शिकायत की थी और वह अपने घर में बेहोश हो गए थे। उनके परिवार के सदस्य उन्हें अंधेरी के बेलेव्यू हॉस्पिटल लेकर गए थे।इससे पहले गुरुवार शाम वह फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। श्रेयस उस समय पूरी तरह स्वस्थ और फिट थे। अभी उनकी हालत स्थिर है और वो तेजी से रिकवर कर रहे है, अस्पताल के मुताबिक उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। अस्पताल के अधिकारी ने कहा, ''उन्हें देर शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया और देर रात उनकी एंजियोप्लास्टी की गयी। वह ठीक हैं। वह आईसीयू में हैं। मीडिया में आयी खबरों के अनुसार, तलपड़े अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल की शूटिंग से बृहस्पतिवार को घर लौटे थे। उनके परिवार के एक सदस्य ने बताया कि अभिनेता स्वस्थ हो रहे हैं और उन्होंने मीडिया से निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, ''वह ठीक हैं। वह पहले से बेहतर हैं। हम आपसे निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हैं। हिंदी और मराठी सिनेमा में काम कर चुके श्रेयस को ''इकबाल, ''डोर, ''ओम शांति ओम और ''गोलमाल श्रृंखला की फिल्मों में उनके अभिनय के लिए पहचाना जाता है।

सजा सुनते ही फूट-फूट कर रोना लगा बीजेपी विधायक रामदुलार गोंड, दुष्कर्म मामले में मिली 25 साल की सजा

सोनभद्र। सोनभद्र की एक एमपी-एमएलए अदालत ने शुक्रवार को दुद्धी विधानसभा क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट) से भाजपा विधायक रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की से 9 साल पहले बलात्कार करने के मामले में 25 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। एमपी, एमएलए अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ए डी जे) एहसान उल्लाह खान ने अभियुक्त पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जो पीड़िता के पुनर्वास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं, सजा सुनते ही विधायक रामदुलार गोंड फूट-फूट कर रोने लग गया। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि अदालत ने 12 दिसंबर को विधायक को दोषी करार दिया था और सजा सुनाने के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की थी। फैसला सुनाए जाने से पहले गोंड के वकील ने कम से कम सजा देने का आग्रह किया और अदालत को यह भी आश्वासन दिया कि बलात्कार पीड़िता के परिवार की पूरी देखभाल आरोपी द्वारा की जाएगी । गोंड उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। त्रिपाठी ने बताया कि यह घटना चार नवंबर 2014 की है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 (दुष्कर्म), 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के प्रावधानों के तहत विधायक पर मुकदमा दर्ज हुआ था। घटना के समय विधायक की पत्नी ग्राम प्रधान थीं। इस मामले में रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी बनाया गया था। पीड़ित लड़की के भाई की तहरीर पर म्योरपुर थाना की पुलिस ने मामला दर्ज किया था। गोंड उस समय विधायक नहीं थे और मामले की सुनवाई पोक्सो अदालत में चल रही थी। गोंड के विधायक निर्वाचित होने के बाद मामले की सुनवाई सांसद,विधायक (एमपी, एमएलए) अदालत में स्थानांतरित कर दी गई।

बर्तन और पकौड़े लेकर आया विपक्ष, राज्य सरकार के खिलाफ हुआ प्रदर्शन

नागपुर। महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के छठे दिन विपक्षी दलों के नेताओं ने बेरोजगारी और परीक्षा पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। महा विकास आघाड़ी गठबंधन के विधायक शुक्रवार को विधान भवन की सीढ़ियों पर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इस गठबंधन में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का शरद पवार गुट और कांग्रेस शामिल हैं। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, विधायक सतेज पाटिल और सचिन अहीर समेत अन्य नेता बर्तन और पकौड़े लेकर आए । पत्रकारों से बात करते हुए दानवे ने दावा किया कि राज्य में बेरोजगार युवाओं की संख्या बढ़ी है।

नीतीश ने नवादा में गंगाजल आपूर्ति योजना का किया लोकार्पण, हर घर तक पहुंचा शुद्ध पेयजल के रूप में गंगाजल

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज नवादा जिला के कादिरगंज के पौरा गांव में गंगाजल आपूर्ति योजना का शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की और राज्य की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 36 मिलियन लीटर क्लियर वाटर पंप हाऊस का बटन दबाकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने जल शोधन संयंत्र का अवलोकन किया। इस दौरान जल शोधन संयंत्र के अवयव प्री सेटलिंग टैंक, कैस्केड एरियेटर, फ्लैश मिक्सचर, क्लैरी फ्लो कुलेटर एवं फिल्टर यूनिट के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने जल शोधन केंद्र परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गंगाजल आपूर्ति योजना के कार्य के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों और अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चौतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान गंगाजल आपूर्ति योजना पर आधारित एक लघु फिल्म की मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुति दी गई।गंगाजल आपूर्ति योजना के शुभारंभ के पश्चात मुख्यमंत्री ने स्वयं पानी पीकर नवादा में हर घर तक गंगाजल को शुद्ध पेयजल के रूप में पहुंचाने की शुरुआत की। अब गंगाजी राजगृह जलाशय से लगभग 20 किलोमीटर पाईप लाईन बिछाकर नवादा के पौरा में जल-शोधन संयंत्र तक गंगाजल को पहुंचाया जा रहा है। जहां से नवादा शहर के घर-घर में बुडको (नगर आवास एवं विकास विभाग) द्वारा पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। पौरा (नवादा) के इस जल-शोधन संयंत्र में 36 मिलियन लीटर प्रतिदिन पानी को साफ करने की क्षमता है। वहीं पर एक मास्टर अंडरग्राउण्ड रिजर्वायर का निर्माण भी किया गया है। जिसमें 36 मिलियन लीटर पानी साफकरने के बाद रखा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका, शाही ईदगाह के सर्वे पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर सर्वेक्षण का इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एस वी एन भट्टी की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसंबर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। पीठ के समक्ष मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अदालत ने पहले कहा था कि मामले में सुनवाई की जरूरत है। इस मामले में हमसे लिखित दलीलें दाखिल करने को भी कहा गया था। उन्होंने कहा, ''लेकिन अब हाईकोर्ट कुछ आवेदनों पर विचार कर रहा है, जिनके दूरगामी परिणाम होंगे। इस पर पीठ ने कहा,''इस स्तर पर हम कुछ भी नहीं रोकेंगे। यदि कोई प्रतिकूल आदेश है तो आप यहां आ सकते हैं। अहमदी ने कहा कि गुरुवार को एक आदेश पारित किया गया, जिसमें आयुक्त को शाही ईदगाह मस्जिद का निरीक्षण करने और इसके लिए आयोग नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा,''यह तब हो रहा है जब शीर्ष अदालत इस मामले में अधिकार क्षेत्र का फैसला कर रही है। पीठ ने अहमदी से हाईकोर्ट को यह बताने को कहा कि वह (शीर्ष अदालत) नौ जनवरी को मामले की सुनवाई करने वाली है। इस पर अहमदी ने दलील देते हुए कहा कि हाईकोर्ट सुनवाई नहीं कर रहा है। शीर्ष अदालत ने हालांकि,कहा कि उसके के समक्ष एकमात्र अधिकार क्षेत्र का स्थानांतरण का मामला है। इस तरह मामला अब उसके समक्ष योग्यता के आधार पर नहीं है। पीठ ने कहा,''यदि याचिकाकर्ता को कोई शिकायत है तो वह कानून के अनुसार चुनौती दायर कर सकता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को शाही ईदगाह परिसर का अदालत की निगरानी में अधिवक्ता आयुक्तों की तीन सदस्यीय टीम द्वारा प्राथमिक सर्वेक्षण की अनुमति दी थी। सर्वेक्षण किस तरीके से किया जाएगा, इसके बारे में अदालत 18 दिसंबर को फिर सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ ने कहा था कि वह आयुक्त की नियुक्ति और सर्वेक्षण के तौर-तरीकों पर सोमवार को फैसला करेगी।

महिला को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने पर भड़के जेपी नड्डा, कहा-कांग्रेस सरकार के सत्ता में महिलाएं सुरक्षित नहीं है

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कर्नाटक के बेलगावी में एक महिला को निर्वस्त्र घुमाए जाने की घटना की आज कड़ी निंदा की और कहा कि यह मामला इस तरह के अपराधों से निपटने में कांग्रेस की सरकारों के 'गैरजिम्मेदाराना व्यवहार को भी उजागर करता है। नड्डा ने इस घटना की विस्तार से जानकारी हासिल करने और केंद्रीय नेतृत्व को इसकी रिपोर्ट सौंपने के लिए एक पांच सदस्यीय तथ्यान्वेषी दल का भी गठन किया। इस दल में पार्टी की चार महिला सांसद अपराजिता सारंगी, सुनीता दुग्गल, लॉकेट चटर्जी, रंजीता कोली और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लकड़ा शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कर्नाटक के बेलगावी में एक आदिवासी महिला को निर्वस्त्र कर के घुमाए जाने की घटना की कड़ी निंदा की है। बयान के मुताबिक नड्डा ने कहा, ''कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराध नियमित अंतराल पर हो रहे हैं। यह इस तरह के अपराधों से निपटने में देश में हर जगह कांग्रेस सरकारों के गैरजिम्मेदाराना व्यवहार को भी उजागर करता है। पार्टी की ओर से बताया गया कि पांच सदस्यीय तथ्यान्वेषी दल जल्द से जल्द घटनास्थल का दौरा करेगा और अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगा। बेलगावी जिले के एक गांव में पिछले दिनों एक महिला को निर्वस्त्र घुमाने की घटना सामने आई थी। पीड़ित महिला का बेटा 11 दिसंबर की तड़के उस लड़की के साथ भाग गया था जिसकी सगाई किसी और से होने वाली थी। इसके बाद महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई, उसे निर्वस्त्र कर घुमाया गया और बिजली के खंभे से बांध दिया गया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 12 दिसंबर को मीडिया में आई कुछ खबरों के आधार पर घटना का स्वतरू संज्ञान लिया था और इसे 'असाधारण मामलाश् बताते हुए नाराजगी जाहिर की थी। अदालत ने दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने के निर्देश भी दिए थे।

पटना के दानापुर कोर्ट में शूटआउट, पेशी पर आए अपराधी की गोली मारकर हत्या

पटना। बिहार की राजधानी पटना से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां के दानापुर की कोर्ट कैंपस में एक अपराधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक अपराधी का नाम छोटे सरकार है। उसे बेऊर जेल से पेशी के लिए दानापुर कोर्ट लाया गया था। पुलिस ने मामले में दो हत्यारोपियों को कोर्ट कैंपस से ही गिरफ्तार किया है।

दानापुर कोर्ट शूटआउट पर सिटी एसपी राजेश कुमार का कहना है कि मृतक एक खूंखार अपराधी था। दानापुर कोर्ट में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि कोर्ट में मौजूद वकीलों ने दोनों बदमाशों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से दो पिस्टल बरामद की हैं। पुलिस बदमाशों हिरासत में लेकर थाने गई, जहां बदमाशों से पूछताछ में जुटी है। आखिर क्यों बदमाशों ने पेशी पर आए कैदी की गोली मारकर हत्या कर दी, इसकी वजह अभी साफनहीं हो पाई है।जानकारी के मुताबिक, जिस समय कैदी छोटे सरकार को पेशी पर कोर्ट लाया जा रहा था, उसके साथ में 5 पुलिसकर्मी थे, लेकिन पुलिस कस्टडी में ही दिनदहाड़े दोनों बदमाशों ने छोटे सरकार पर 6 राउंड फायरिंग की।

CMYK

समझौते की सार्थकता

विश्वव्यापी जलवायु संकट के बीच दुबई में आयोजित जलवायु परिवर्तन केंद्रित सीओपी-28 में भले ही कोई क्रांतिकारी फैसला ग्लोबल वार्मिंग तापमान को नियंत्रण के बाबत न लिया जा सका हो, लेकिन दुनिया के लगभग दो सौ देश जीवाश्म ईंधन, मसलन कोयले, तेल और गैस का इस्तेमाल धीरे-धीरे खत्म करने पर जरूर राजी हुए हैं। हालांकि, अभी भी तमाम विकासशील देशों में कई तरह की चिंताएं हैं कि समझौते के व्यापक प्रावधान क्या होंगे और उनकी आर्थिक विकास में आने वाली बाधाओं का मुकाबला कैसे होगा। लेकिन इसके बावजूद सम्मेलन में किसी मुद्दे पर सहमति बनना एक उम्मीद जरूर जगाती है। कुछ देश उम्मीद लगाए बैठे थे कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को खत्म करने के लिए किसी समयबद्ध कार्यक्रम की रूपरेखा तय होगी। वे इस बदलाव की राह में आगे बढ़ाने के वायदे से संतुष्ट नजर नहीं आए। विडंबना यह है कि संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित इस जलवायु सम्मेलन में जीवाश्म ईंधन को खत्म करने का विरोध ओपेक देशों के सदस्य ही कर रहे थे। वैसे भी जीवाश्म ईंधन से अर्थव्यवस्था व अंतर्राष्ट्रीय राजनीति चलाने वाले देशों से ज्यादा उम्मीद भी नहीं की जा सकती। इसके विपरीत तेल उत्पादक देश कार्बन जमा करने की तकनीकों को बढ़ावा देने पर बल देते रहे। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी उम्मीद थी कि दुनिया के संपन्न देश जीवाश्म ईंधन समाप्त करने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व करें, लेकिन वैसा होता नजर नहीं आया। इसकी वजह यह थी कि ताकतवर राष्ट्रों ने दुनिया के प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन करके अपना औद्योगिकीकरण किया। निस्संदेह, उसकी ग्लोबल वार्मिंग में बड़ी भूमिका रही है। जब विकासशील देशों के विकास ने गति पकड़ी तो उन्हें पर्यावरण संकट पर जीवाश्म ईंधनों का उपयोग करने से रोका जाने लगा। ऐसे समय पर जब पश्चिमी देश पहले ही अपने जीवाश्म ईंधन का अधिकतम उपयोग कर चुके हैं, विकासशील देशों के साथ बाध्यकारी शर्तें अन्यायपूर्ण ही कही जाएंगी। दरअसल, इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि क्षतिपूर्ति के तौर पर विकसित देश विकासशील देशों को पर्याप्त वित्तीय सहायता देने को राजी नहीं हुए हैं। तीसरी दुनिया के देश जीवाश्म ईंधन के विकल्प में जिस नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग करेंगे, उसके संबल को दी जाने वाली रकम बेहद कम है। इसके लिये सत्तर करोड़ डॉलर का फंड नाकाफी है। निस्संदेह, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की लड़ाई में दुनिया के गरीब मुल्कों को बड़ी पूंजी की जरूरत होगी। कहा जा सकता है कि दुबई में संपन्न पर्यावरण सम्मेलन उन लक्ष्यों तक नहीं पहुंचा है, जहां तक पहुंचने की उम्मीद लगाई गई थी। सम्मेलन की सफलता इस बात पर निर्भर करती कि विकासशील व गरीब मुल्कों को नवीकरणीय ऊर्जा के प्रतिस्थापन के लिये कितनी ठोस आर्थिक मदद का प्रावधान किया गया है। साथ ही उन देशों की मदद के लिये अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने कोई ठोस प्रयास नहीं किये जो ग्लोबल वार्मिंग के चरम का सामना करते हुए, भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। दुनिया के तमाम मुल्क बाढ़ व सूखे की त्रासदी झेल रहे हैं। जिनमें उत्तरी पूर्वी अफ्रीकी देशों की स्थिति ज्यादा ही खराब है। इनमें कई देश ऐसे हैं जो कई सालों से निरंतर सूखे की भयावह स्थितियों का सामना कर रहे हैं। दरअसल, हमारे दरवाजे पर दस्तक दे चुके ग्लोबल वार्मिंग संकट के मुकाबले के लिये विकसित देशों व दुनिया की वैज्ञानिक बिरादरी को ठोस प्रयास करने की जरूरत है, ताकि भूख व विस्थापन के संकट का मुकाबला किया जाए। दुनिया की खाद्य शृंखला को बचाने की भी सख्त जरूरत है। साथ ही उन सस्ती तकनीकों व उपकरणों की जरूरत गरीब मुल्कों को है जो 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तीन गुना बढ़ाने में सहायक हों। साथ ही ग्लोबल वार्मिंग में बड़ी भूमिका निभाने वाली मीथेन गैस का उत्सर्जन कम करना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह सुखद है कि तीन दर्जन से अधिक गैस-तेल उत्पादक कंपनियां मीथेन उत्सर्जन कम करने पर सहमत हुई हैं। साथ ही मानवता की रक्षा के लिये ग्लोबल वार्मिंग प्रभाव से बढ़ने वाली बीमारियों पर नियंत्रण व प्रभावित देशों की मदद की भी जरूरत है।

धुएं और नारों पर मौन मोदी

बुधवार को भारत के नये संसद भवन में घुसकर धुंआ फैलाने और बाहर नारेबाजी करने के पीछे जो लोग हैं, उनमें से चार को पकड़ लिया गया है तथा कुछ की तलाश जारी है। इनसे पूछताछ से मुख्यतः जो बात सामने आई है, उससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि उनका मकसद कोई बड़ी घटना को अंजाम देना नहीं था, वरन जनता की कतिपय समस्याओं की ओर देश की सबसे बड़ी पंचायत का ध्यान आकृष्ट करना था। यह तो माना जा सकता है कि युवाओं द्वारा अपनी बात को थोड़ा सनसनीखेज तरीके से ज़रूर उठाया गया है, लेकिन इसके बरक्स दो बातें सामने आई हैं-पहली तो यह कि करोड़ों रुपयों से निर्मित नये संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत लचर है; और दूसरी बात है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हमेशा की भांति चुप्पी। इस हादसे ने साबित कर दिया है कि देश के साथ बड़ी से बड़ी बात हो जाये, मोदी अपना मौन व्रत कतई नहीं तोड़ेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं वरन एक हद तक शर्मनाक भी है।नया संसद भवन मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। देश में जब कोविड-19 का भीषण प्रकोप था तथा देश को महामारी से लड़ने के लिये बड़ी धन राशि की आवश्यकता थी, तब इसका निर्माण किया गया था। मोदी खुद इसकी प्रगति देखने आते रहते थे। उस समय इस बात का यह कहकर विरोध हुआ था कि पुराने संसद भवन के रहते, वह भी ठीक-ठाक हालत में होने के बावजूद इस नये भवन को बनवाना एक बड़ी फिजूलखर्ची है। बाद में यह बात साफ होती चली गई कि इसका उद्देश्य पुराने भवन के साथ नत्थी देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को मिटाना है।खासकर, उस भवन पर पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जो सुखद छांव बनी हुई थी, वह मोदी को उनकी विचारधारा के कारण कड़ी धूप सी प्रतीत होती थी। इसी क्रम में उन्होंने नेहरू के शासकीय निवास तीन मूर्ति भवन को भी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में बदलवा दिया। नेहरू विरोध के अलावा मोदी नये भवन का 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये भी इस्तेमाल करना चाहते हैं। बहरहाल, इस भवन के बारे में दावा किया गया था कि इसकी सुरक्षा बड़ी पुख्ता है। विशेषकर 13 दिसम्बर, 2001 को पुराने भवन पर हुए आतंकी हमले के मद्देनज़र इसकी ज़रूरत भी थी।इस भवन के उद्घाटन के अवसर पर बुलाये गये विशेष सत्र को छोड़ दें तो यही इसका नियमित सत्र (शीतकालीन) है, जो अब भी जारी है। पहले ही सत्र में, वह भी ठीक उसी दिन- 22 वर्षों के बाद इसकी सुरक्षा व्यवस्था की पोल कुछ निहत्थे युवाओं ने खोलकर रख दी। उनके कृत्य को कतई समर्थन नहीं मिल रहा है परन्तु इसमें कोई शक नहीं रह जाना चाहिये कि इस भवन की सजावट पर तो खूब ध्यान दिया गया है, लेकिन सुरक्षा की बुनियादी आवश्यकता पूरी तरह से नज़रंदाज़ की गई है। दो दशक पूर्व हुए हमले में तो जांबाज़ सुरक्षाकर्मियों ने आतंकवादियों को संसद भवन में घुसने तक नहीं दिया था। अबकी एक नहीं दो लोग दर्शक दीर्घा से सदन के बीचों-बीच कूद पड़ते हैं और बाकायदा एक से दूसरी बेंचों को फलांगने में भी सफल हो जाते हैं।

भारत के विकास के नए सोपान

मैं किसी भी राजनीतिक पार्टी का कभी हिमायती नहीं रहा पर वर्तमान परिपेक्ष्य में जो विश्व में भारत की स्थिति बनी है उसे अनदेखा भी नहीं किया जा सकता है। भारत के प्रधानमंत्री एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार 76ः के साथ लोकप्रियता के शिखर पर हैं। विश्व के बाहुबली देश के बड़े-बड़े राष्ट्र प्रमुख जैसे जो बाइडेन, सी जिन पिंग, राष्ट्रपति पुतिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक कनाडा के जस्टिन टुद्रो इस लाइन में काफी पीछे हैं। भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाया हैस विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का ज्यादा रहा हैस भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है। इसमें दो मत नहीं कि इसमें वर्तमान एवं पूर्व के प्रधानमंत्रियों को भी बड़ा योगदान रहा है। पिछले 9 वर्षो से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति मैं खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। कई वर्षो से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी ,बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है।स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है7 वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा हैस उक्त समय में भारत की दशा अत्यंत दयनीय थी इसके अतिरिक्त मुद्रास्फीति बेरोजगारी जैसी स्थित ने विकराल रूप धारण कर लिया था, किंतु विकास की नीति को अपनाने के पश्चात से भारत ने इन परिस्थितियों से निपटने के साथ ही आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या के उपयोग कर विश्व पटल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। भारत की विशाल जनसंख्या को आर्थिक सफलता के मजबूत स्तंभ कहा जा सकता है। भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या का उपयोग कर उत्पादन को कई गुना बढ़ाया है। आज की स्थिति में भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा सकता है और इसे तथाकथित भावी विश्व शक्ति चीन का सबसे ताकतवर प्रतिनिधि तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का भावी सदस्य के रूप में भी देखा जा रहा है। भारत में समय के अनुसार अपनी नीतियों तथा विकास के प्रति मानको में परिवर्तन कर निरंतर आर्थिक विकास की दर को प्राप्त करते हुए अधिकांश विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की है। वास्तव में वर्तमान समय में भारत के ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिससे विश्व के सभी देश किसी न किसी रूप से जुड़कर प्रभावित भी हुए हैं। 1974 उल्लेखनीय रहा है क्योंकि भारत ने पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया इसका विरोध विश्व के तमाम विकसित देशों ने बहुत जोरदार ढंग से किया भारत को काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था। वर्ष 2008 में हमारे देश और अमेरिका रूस फ्रांस ब्रिटेन तथा चीन को छोड़कर पी5 के सभी सदस्य देशों के मध्य हुए असैन्य परमाणु समझौता से यह स्पष्ट हो गया था कि अब वैश्विक पटल पर भारत की अनदेखी नहीं की जा सकती है। 2009 में भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यालय में राजकीय अतिथि के रूप में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री का स्वागत करके कहा कि भारत अब एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन चुका है। यह भारत के छठे परमाणु संपन्न राष्ट्र के तौर पर मिली औपचारिक मान्यता ही थी। भारत यात्रा पर आए बराक ओबामा ने कहा कि भारत अब उभरती हुई परमाणु शक्ति ही नहीं है, वह स्थापित परमाणु शक्ति बन चुका हैस भारत की जनसंख्या को देखते हुए भारत की क्रय शक्ति की क्षमता के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी दूरसंचार के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। भारत अब विश्व में एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित होने की ओर अग्रसर है। भारत में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अत्यधिक ख्याति प्राप्त की है, जिससे अमेरिकी विश्लेषकों के मन में भय पैदा हो गया हैस भारतीय औद्योगिक घराने अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी कंपनियों को खरीद कर दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी समूह बन गए हैं। भारत लक्ष्मी मित्तल विश्व के सबसे बड़े स्टील उत्पादक है, मुकेश अंबानी का नाम विश्व के सर्वोच्च पांच धनी व्यक्तियों में लगातार प्रत्येक और शामिल होता रहा है। टाटा स्टील ने अपने आकार से लगभग 6 गुनी बड़ी कंपनी कोरस को भी खरीद लिया तो दूसरी तरफ टाटा मोटर्स ने विश्व प्रसिद्ध ब्रांड जगुआर लैंडरोवर को खरीद कर इसे इ.ऊ. की प्रतियोगिता में लाकर खड़ा कर दिया। भारतीय मूल के विदेशी उद्योगपतियों ने भारत के बाहर रहकर भी भारत की प्रसिद्धि में वृद्धि की है। इन उद्योगपतियों में इंदिरा नूई, अरुण सरीन, सबीर भाटिया, विनोद घोसला का नाम विशेष रूप से लिया जा सकता है। भारत मूल के ही सलमान रुश्दी लेखक, अमर्त्य सेन अर्थशास्त्री, झुंपा लहरी लेखिका, वेंकटरमन रामकृष्णन नोबेल पुरस्कार विजेता आदि भारतीय मूल के विदेशी नागरिक विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैंस वर्ष 2014 में केंद्र में बनी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की तरह भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में कार्य किया है। जिसके अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने विश्व के प्रमुख देशों जैसे अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा ,जर्मनी, जापान, चीन, फ्रांस और अफ्रीकी देशों के साथ संबंधों को द्विपक्षीय वार्ता तथा विभिन्न समझौता के माध्यम से मजबूती प्रदान की है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात की दृष्टि से दूसरे देशों देशों में निवेश करने के मामले में विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। भारत के आर्थिक विकास से इसके राजनीतिक प्रभाव में वृद्धि हुई है, इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय मंच एवं वार्ताओं में भारत को नियमों में छूट देने की सुविधा प्राप्त हो गईस 2018 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा विश्व आर्थिक मंच में चार दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया जाना भारत की बढ़ती विश्व ख्याति को प्रतिबिंबित करता है। भारत इस दशक के अंत तक निसंदेह विकसित देशों के समूह में शामिल हो जाएगा और भारत की वैश्विक ख्याति में चारों तरफ वृद्धि होने की पूरी संभावना है

-संजीव ठाकुर

कॉप 28 ने भले ही टकराव को टाल दिया, पर संघर्ष के बिंदु अनसुलझे रहे

के रवीन्द्रन

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कॉप 28 दुबई वैसे ही आगे बढ़ा है जैसी की उम्मीद थी। चूंकि सदस्य देश इस बात से जूझ रहे थे कि जीवाश्म ईंधन के सबसे संवेदनशील मुद्दे को कैसे औपचारिक रूप दिया जाए और उस पर कैसे ध्यान दिया जाए, इसलिए आम सहमति बनाने की कोशिश करने के लिए जलवायु शिखर सम्मेलन को निर्धारित सीमा से आगे बढ़ाना पड़ा। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार कॉप 28 ने अंतिम घोषणा के रूप में एक प्रस्तावित पाठ जारी किया है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के हिस्से के रूप में देशों से जीवाश्म ईंधन से दूर जाने का आह्वान करेगा। यह कुछ सबसे मुखर राज्यों की सफलता का प्रतीक है जिन्होंने जीवाश्म युग को समाप्त करने के संकल्प को इंगित करने के लिए मजबूत भाषा पर जोर दिया, एक ऐसा लक्ष्य जिसका तेल और कोयला उत्पादक देशों, विशेष रूप से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जोरदार विरोध किया जा रहा था। यह टकराव शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता में ही अंतर्निहित था, उस कुर्सी पर आबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के सीईओ बैठे थे। शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष सुल्तान अल जबेर की एक टिप्पणी श्कोई विज्ञान नहीं हैश् जो यह दर्शाता है कि वैश्विक तापन को 1.5 एष्ट तक सीमित करने के लिए जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की आवश्यकता है, जिससे भौंहें तन गईं। वह इस हद तक दावा करने लगे कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करना टिकाऊ नहीं होगा। दरअसल, मुख्य शिखर सम्मेलन से इतर एक महिला-उन्मुख कार्यक्रम में उनके और प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, जहां उन्होंने कहा कि उंगली उठाने का कोई मतलब नहीं है। ओपेक सदस्य उत्सर्जन को पकड़ने और संग्रहीत करने की प्रौद्योगिकियों के माध्यम से जीवाश्म ईंधन के बजाय उत्सर्जन को लक्षित करने के विचार को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि कार्बन कैप्चर करना अत्यधिक महंगा है जिससे ध्यान वित्तीय संसाधनों पर केंद्रित हो जाता है। इसका मतलब होगा घोषणा की भाषा में फेज आउट को फेज डाउन से बदलना। लेकिन अधिकांश देशों ने चरणबद्ध तरीके से इसे खत्म करना पसंद किया। भारत ने कथित तौर पर कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने से संबंधित मुद्दों को उठाया, जिसके बारे में उसने कहा कि यह निकट भविष्य में किसी भी समय संभव नहीं होगा। नई दिल्ली चाहती थी कि चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किये जायें। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक समय और वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है क्योंकि ऐसे लक्ष्यों और विकासशील देशों के लोगों की आकांक्षाओं के बीच संघर्ष होता है, जो कार्बन पदचिह्न में योगदान देता है। वैश्विक स्तर पर कोयला पिछले 30 वर्षों से बिजली क्षेत्र पर हावी रहा है, और रिस्टैड एनर्जी के अनुसार 2024 में ईंधन की गिरावट की शुरुआत होगी क्योंकि सौर और पवन उत्पादन की लोकप्रियता बढ़ेगी। नवीकरणीय ऊर्जा से नयी बिजली आपूर्ति से बिजली की मांग में अधिक इजाफा होने की उम्मीद है, जिससे अगले साल से कोयले का विस्थापन शुरू हो जायेगा और आने वाले वर्षों में इसमें बढ़ोतरी होगी। परिणामस्वरूप, कोयले से चलने वाली बिजली 2024 में मामूली रूप से गिरकर 10,332 टेरावाट घंटे (टीडब्ल्यूएच) रह जायेगी, जो 2023 से 41 टीडब्ल्यूएच कम है। यह समुद्र में एक सापेक्ष गिरावट है, लेकिन यह आने वाली चीजों का संकेत है क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा अपने विकास पथ को जारी रखे हुए है। सख्त उत्सर्जन नीतियों और किफायती प्राकृतिक गैस आपूर्ति की प्रचुर उपलब्धता के संयोजन के कारण हाल के वर्षों में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कोयला क्षमता और समग्र उपयोग में निवेश में गिरावट आई है। फिर भी, एशिया, मुख्य रूप से चीन में स्थायी विकास, ने वैश्विक कोयला खपत को बढ़ाये रखा है। ऐसी स्थिति में कम कार्बन वाले बिजली स्रोतों के तेजी से विकास से कोयला धीरे-धीरे विस्थापित हो जायेगा, जिससे एक स्वच्छ, हल्की प्रणाली की शुरुआत होगी, जबकि एशिया में नयी क्षमता में निवेश अगले कुछ वर्षों में जारी रहेगा। प्रचुर कोयला भंडार और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए ऊर्जा आपूर्ति को शीघ्रता से बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, एशिया दुनिया की तीन-चौथाई से अधिक कोयला बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार है। क्षेत्र में कोयला उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है, लेकिन पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच नयी परियोजनाओं की गति धीमी हो रही है। चीन, जर्मनी और अमेरिका जैसे दुनिया भर के देश जो कोयले पर अत्यधिक निर्भर हैं, कोयले को आसानी से विस्थापित करने के लिए काफी तेजी से और अनुकूल अर्थव्यवस्था के साथ नवीकरणीय क्षमता विकसित कर रहे हैं। यूरोप और उत्तरी अमेरिका व्यवस्थित रूप से कोयला उत्पादन को प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों से बदल रहे हैं, जिससे 1990 के बाद से कोयला बिजली क्षमता 200 गीगावॉट से अधिक कम हो गई है। यूरोप की गिरावट मुख्य रूप से सख्त उत्सर्जन नीतियों से प्रेरित है, जबकि उत्तरी अमेरिका ने मुख्य रूप से कोयला उत्पादन को गैस से बदल दिया है। प्रचुर क्षेत्रीय उत्पादन के कारण बिजली की कीमतें कम हो गई हैं। एशिया ने पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक में 40 गीगावॉट से अधिक नयी कोयला क्षमता जोड़ी है और अगले वर्ष 52 गीगावॉट जुड़ने की उम्मीद है। दूसरे शब्दों में, एशिया 2024 में अर्जेंटीना की कुल स्थापित क्षमता से अधिक कोयला क्षमता जोड़ेगा। इस नयी क्षमता का अधिकांश हिस्सा चीन में है, इसके बाद भारत और इंडोनेशिया का स्थान है। यह वृद्धि 2027 तक जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि धीमी गति से, जिसके बाद कोयला बिजली संयंत्रों में गिरावट शुरू हो जायेगी।

आज का राशि फल

मेषः- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

कन्याः- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुलाः- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिकः- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनुः- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकरः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभः- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीनः- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

यूजीसी और एनसीईआरटी का हिन्दू राष्ट्र शैक्षणिक कार्यक्रम

भाजपा सरकार केंद्र में अपनी सत्ता की दूसरी पारी के अंत की ओर है। करीब दस साल की इस अवधि में सरकार ने देश के लगभग सभी संस्थानों और संस्थाओं की दशा और दिशा में जो बदलाव किये हैं, वे सबके सामने हैं। ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई ने विपक्षी पार्टियों के खिलाफ वह सब कुछ किया, जो वे कर सकती थीं। कई मौकों पर चुनाव आयोग की भूमिका भी निष्पक्ष नहीं रही है। इस बीच, यूजीसी और एनसीईआरटी शिक्षा प्रणाली और पाठ्यक्रमों में सत्ताधारी दल को सुहाने वाले परिवर्तन करने में व्यस्त रही हैं।नयी शिक्षा नीति (एनईपी) हमारी शिक्षा व्यवस्था के ढांचे और स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाली है। सरकार द्वारा नियमित रूप से ऐसे निर्देश जारी किये जा रहे हैं जिनसे विद्यार्थियों के मनो-मस्तिष्क में हिन्दू राष्ट्रवादी विचार और सिद्धांत बिठाये जा सकें। सरकार ने सबसे पहले विद्यार्थियों के आंदोलनों और उनके प्रतिरोध को कमजोर करने और उनमें भागीदारी करने वालों को डराने-धमकाने का अभियान शुरू किया। इन आंदोलनों के नेताओं पर राष्ट्रद्रोही का लेबल चस्पा कर दिया गया। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रस्तावित किया कि प्रत्येक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में एक बहुत ऊंचे खम्बे पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। यह भी प्रस्तावित किया गया कि जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कैंपस में सेना का एक टैंक स्थापित किया जाए। वह इसलिए क्योंकि वहां के विद्यार्थी ऐसे मसले उठा रहे थे जो सरकार को पसंद नहीं थे।हाल में इसी तर्ज पर कई निर्देश, आदेश जारी किये गए हैं। इनमें से एक यह है कि आरएसएस के प्रचारक और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के संस्थापक दत्ताजी दिदोलकर की जन्म शताब्दी को मनाने के लिए एक साल तक चलने वाले आयोजनों में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। एक हिन्दू राष्ट्रवादी को राष्ट्रनायक का दर्जा देने का इस प्रयास का फोकस महाराष्ट्र के कॉलेजों पर है. क्या हिन्दू राष्ट्रवादी नेताओं को हीरो बनाने का यूजीसी का यह प्रयास उचित है? क्या हमें उन नायकों को याद नहीं करना चाहिए जो भारतीय राष्ट्रवाद के हामी थे और जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ संग्राम का नेतृत्व किया था? आरएसएस से जुड़े दिदोलकर न तो स्वाधीनता संग्राम का हिस्सा थे और ना ही वे भारतीय संविधान के मूल्यों में आस्था रखते थे। यूजीसी ने एक और सर्कुलर जारी कर कहा है कि कॉलेजों में सेल्फी पॉइंट बनाए जाने चाहिए जिनकी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी का चित्र हो। कहने की जरूरत नहीं कि यह 2024 के आमचुनाव की तैयारी है। किसी भी प्रजातान्त्रिक देश में ऐसा नहीं होना चाहिए। क्या सरकार को किसी भी एक पार्टी

के शीर्ष नेता का प्रचार करना चाहिए? क्या यह प्रजातान्त्रिक मानकों का उल्लंघन नहीं है? प्रजातान्त्रिक और संवैधानिक मूल्यों का इस तरह का खुल्लमखुल्ला मखौल क्या सरकार द्वारा अपनी शक्तियों के घोर दुरुपयोग के श्रेणी में नहीं आता? इससे भी एक कदम आगे बढ़कर, यह निर्देश जारी किया गया है कि कक्षा सात से लेकर कक्षा बारह तक के विद्यार्थियों को इतिहास के पाठ्यक्रम के भाग के रूप में रामायण और महाभारत पढ़ाया जाना चाहिए (टाइम्स ऑफ इंडिया, 22 नवम्बर, 2023)। एनसीआरटी के एक्सपर्ट पैनल के अनुसार, इससे देश के लोगों में देशभक्ति और स्वाभिमान के भाव जागृत होंगे और वे अपने देश पर गर्व करना सीखेंगे! भारत के ये दो महान महाकाव्य निश्चित तौर पर हमारे पौराणिक साहित्य का हिस्सा हैं। वे उस समय के सामाजिक मूल्यों और मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस समय वे लिखे गए थे। हम इन महाकाव्यों से उस समय के समाज के बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं।रामायण भारत में ही नहीं, वरन श्रीलंका, थाईलैंड, बाली और सुमात्रा सहित एशिया के कई देशों में अत्यंत लोकप्रिय हैं। रामायण के कई अलग-अलग संस्करण हैं। रामायण के मूल लेखक वाल्मीकि थे। गोस्वामी तुलसीदास ने जनभाषा अवधी में उसका अनुवाद कर उसे आम जनता तक पहुंचाया। सोलहवीं सदी से रामायण उत्तर भारत की जन संस्कृति का हिस्सा बनी हुई है। भगवान राम की वह कथा जो हिन्दू राष्ट्रवादियों को प्रिय है, इस कथा के कई अलग-अलग पाठों में से एक है। पौला रिचमेन की पुस्तक मेनी रामायन्स (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), भगवान राम की कहानी के अलग-अलग संस्करणों के बारे में बताती है। इसी तर्ज पर ए.के. रामानुजन ने एक लेख लिखा था जिसका शीर्षक था-थ्री हंड्रेड रामायंस फाइव एग्जामपिल्स एंड थ्री थॉट्स ऑन ट्रांसलेशन। यह अत्यंत अर्थपूर्ण लेख दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा था। मगर बाद में एबीवीपी के विरोध के कारण इसे हटा दिया गया। हिन्दू राष्ट्रवादी रामकथा के एक विशिष्ट संस्करण को बढ़ावा देना चाहते हैं। रामानुजन बताते हैं कि इस कथा के कई स्वरूप है- जैन और बौद्ध स्वरूप हैं, और महिलाओं का संस्करण भी है, जिसकी लेखिका आंध्रप्रदेश की रंगनायकम्मा हैं। आदिवासियों की अपनी रामकथा है। अम्बेडकर ने अपनी पुस्तक हिन्दू धर्म की पहेलिया में हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया है कि राम ने शम्बूक की केवल इसलिए हत्या कर दी थी क्योंकि वह शूद्र होते हुए भी तपस्या कर रहा था। इसी तरह, राम ने छुपकर और पीछे से वार कर बाली को मार दिया था। बाली कुछ पिछड़ी जातियां ही श्रद्धा के पात्र हैं। कहा जाता है-इडा पीडा जावो, बळीचे राज्य येवो (हमारे दुरूख और तकलीफें खत्म हों और बाली का राज फिर से कायम हो)। अम्बेडकर राम की इसलिए भी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं क्योंकि राम ने मात्र इसलिए सीता को जंगल में छोड़ दिया था क्योंकि उन्हें अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था। पेरियार भी द्रविड़ों पर आर्य संस्कृति लादने के लिए राम की आलोचना करते हैं। ठीक-ठीक क्या हुआ था यह साफनहीं है मगर यह महाकाव्य हमें उस काल के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें बताता है। उसी तरह महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित विश्व की सबसे लम्बी कविता महाभारत भी हमें उस युग में झांकने का मौका देती हैं। ये दोनों ग्रन्थ ज्ञान के स्त्रोत हैं। मगर उन्हें इतिहास के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करना एक अलग मसला है, जिसका सम्बन्ध हिन्दू राष्ट्रवाद से ज्यादा और विद्यार्थियों को इतिहास के सच से परिचित करवाना कम है।यह भी कहा गया है कि पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल किया जाए। ऐसा बताया जा रहा है कि चूंकि हमारे देश को इंडिया नाम अंग्रेजों ने दिया था अतः वह गुलामी का प्रतीक है। इस तथ्य को जानबूझकर छुपाया जा रहा है कि हमारे देश के लिए इंडिया से मिलते-जुलते शब्दों का प्रयोग अंग्रेजों के भारत आने से बहुत पहले से हो रहा है। ईसा पूर्व 303 में मेगस्थनीज ने इस देश को इंडिका बताया था। सिन्धु नदी के नाम से जुड़े हुए शब्द भी लम्बे समय से इस्तेमाल हो रहे हैं। हमारे संविधान में प्रयुक्त वाक्यांश भारत देट इज इंडिया का कोई जवाब नहीं है। मगर हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के चलते इंडिया शब्द उन्हें असहज करता है वे भारत के इतिहास को नए सिरे से कालखंडों में विभाजित करना चाहते हैं। इतिहास के सबसे पुराने कालखंड, जिसे अंग्रेज हिन्दूकाल कहते हैं, को वे क्लासिक (श्रेष्ठ या उत्कृष्ट) काल कहना चाहते हैं। उद्देश्य है इस कालखंड में प्रचलित मूल्यों को हमारे समाज के लिए आदर्श निरुपित करना। ये मूल्य, जो मनुस्मृति में वर्णित हैं, वही हैं जिनके विरुद्ध अम्बेडकर ने विद्रोह का झंडा उठाया था और मनुस्मृति का दहन किया था।आज यूजीसी और एनसीईआरटी का मार्गदर्शक केवल और केवल हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा है। भारतीय संविधान के मूल्यों से उन्हें कोई लेनादेना नहीं है।-**राम पुनियानी**

भारत को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए जरूरी है मोदी की गारंटी: शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रधानमंत्री के संकल्प व प्रेरणा से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने तथा सभी नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से युक्त करने के लिए केंद्र सरकार के साथ प्रदेश की योगी सरकार प्रयास कर रही और मोदी के संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास' के साथ कल्याणकारी योजनाओं को गरीबों, वंचितों, महिलाओं, असहायों, किसानों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा। इसी संकल्प की पूर्ति हेतु 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की शुरुआत की गई है, जिसमें लोगों को देश की सांस्कृतिक विरासत व परंपराओं से जोड़ने के साथ शहीदों के प्रति श्रद्धाभाव व राष्ट्रप्रेम को जगाने का प्रयास किया जा रहा है और उनको सरकारी योजना का लाभ भी दिलाया जा रहा। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा शुक्रवार को सिद्धार्थनगर जनपद की इटवा विधानसभा के धनवापुर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत जिगना हबीबपुर पहुंचकर वहां पर 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर आदिवासी दिवस के दिन बिरसा मुंडा के जन्म स्थान से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य गरीबों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना और उन्हें इन योजनाओं का लाभ भी दिलाना है। इस संकल्प यात्रा के तहत गांव-नगरों में पहुंच रही 'मोदी की गारंटी वैन' देश के हर नागरिक के जीवन में सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली का वाहक बन गई है। अब तक देश के विभिन्न हिस्सों गांव-गांव, शहर-शहर में करोड़ों लोगों को इस यात्रा के माध्यम से जोड़ा गया और पात्रों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि देश में मोदी की गारंटी के अलावा कोई और गारंटी नहीं चलेगी। ईजो 70 वर्षों में नहीं हुआ व मोदी और योगी के नेतृत्व में हो रहा है और आज हम लोकतंत्र के स्वर्णकाल में जी रहे हैं। पहले लाखों टन अनाज गोदामों में सड़ जाता था, आज गरीबों के पेट में जा रहा। कम लागत, कम खाद व दवाई डालकर किसान नैनो यूरिया का प्रयोग कर अच्छी पैदावार कर सकते हैं। देश में गरीबों की आमदनी कैसे बढ़े, हर व्यक्ति कैसे खुशहाल हो, सभी को अच्छी शिक्षा, बेहतर चिकित्सा, सुरक्षा, अच्छी सड़कें हों, मोदी का यही संकल्प है। मोदी ने देश को विश्व की 10वें नम्बर की अर्थव्यवस्था से उठाकर चौथे-पांचवें नम्बर पर ला दिया है। योगी ने उत्तर प्रदेश को महाराष्ट्र के बाद पूरे देश की 9.2 प्रतिशत की अर्थव्यवस्था के साथ दूसरे नम्बर पर ला दिये हैं जबकि गुजरात की अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत है। मोदी के नेतृत्व में जिस प्रगति से देश आगे बढ़ रहा, इससे पूरी दुनिया अचंभित है। किसी भी परिस्थिति व संकट पर पूरा विश्व आज मोदी की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा। पूरी दुनिया में भारत देश और भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है। देश के 85 करोड़ गरीबों को मुश्किलों से बचने के लिए मोदी सरकार द्वारा आगे भी 05 वर्षों तक मुफ्त राशन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी का सिर्फएक ही सपना है कि ऐसा विकसित भारत बने, जिसमें हर स्तर पर बिना किसी भेदभाव के सबको समान अवसर मिले, चारों ओर खुशहाली हो, कोई भी अपने जीवन में दीन दुःखी, गरीब और लाचार न रहे। अर्थात् 'नहिं दरिद्र कोऊ दुःखी न दीना, नहिं कोऊ अबुध न लच्छन हीना' को चरितार्थ करने तथा मोदी जी के हाथों को मजबूत करने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में अपना पूर्ण समर्थन दीजिए। हमारी परिस्थितियां कुछ भी हों, मगर हमें बड़ा सपना देखना चाहिए और उसके लिए कार्य भी करना चाहिए। जब सही रथ चुनेंगे तभी सही रथी मिलेगा। पिछली सरकारें चन्द्रयान नहीं बना सकती थी, शौचालय तो बना ही सकते थे।

मिल्कीपुर में 1500 छात्रों को नहीं मिला ड्रेस का पैसा

अयोध्या। जिले में मिल्कीपुर के परिषदीय स्कूलों के करीब 1500 छात्र छात्राओं के खाते में डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर योजना के तहत पैसे नहीं भेजे जा सके। डीबीटी योजना के तहत परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को जूता-मोजा, ड्रेस व स्कूल बैग के लिए सरकार द्वारा 1200 रुपए की धनराशि दी जाती है। यह पैसा सीधे छात्रों के अभिभावकों के खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। मिल्कीपुर क्षेत्र के 598 परिषदीय स्कूलों में वर्तमान में करीब 49,837 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। करीब 48,373 हजार छात्र-छात्राओं के खाते में पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। जबकि आधार कार्ड में त्रुटि होने के कारण करीब 1500 छात्र इससे वंचित रह गए हैं। बताया जाता है कि इन बच्चों के नाम तो कहीं माता-पिता का नाम या पता आदि गलत फीड हो गया है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह त्रुटि अभिभावकों की लापरवाही के चलते हुई है, साथ ही वह इसे ठीक कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि अभिभावकों द्वारा छात्राओं के आधार कार्ड की त्रुटियों को ठीक नहीं कराया गया जिसके चलते डीबीटी होने में परेशानी हुई है। छात्र-छात्राएं पुराना ड्रेस ही पहनकर विद्यालय आ रहे हैं। जिन छात्राओं के अभिभावक के खाते में ड्रेस का पैसा भेज भी दिया गया है वे ड्रेस छात्रों के लिए नहीं खरीद रहे हैं।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों और उपेक्षा से किसान बेहाल: अखिलेश यादव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और उपेक्षा से किसान बेहाल है। किसानों के लिए खेती घाटे का सौदा बनकर रह गयी है। धान, गन्ना, गेहूं, मूंगफली, आलू सभी फसलों के किसान परेशान है। बढ़ती महंगाई के चलते किसानों को फसलों का लागत मूल्य भी नहीं मिल रहा है। अखिलेश यादव ने कहा भाजपा सरकार ने किसानों की आय दुगुना करने का वादा किया था लेकिन उसका वादा झूठ और हवाई साबित हुआ। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकार अब किसानों की बात भी नहीं करती है। किसानों का धान नहीं खरीदा गया। खरीद केन्द्रों पर लम्बी-लम्बी लाइने है। हजारों किसान कई-कई दिनों से इस सर्दी में परेशान है। खरीद केन्द्रों पर कोई इंतजाम नहीं है। कई खरीद केन्द्र तो खुले ही नहीं। अखिलेश यादव ने कहा इसी तरह से मूंगफली किसान संकट से गुजर रहे हैं। क्रय केन्द्र मूंगफली किसानों का बकाया भुगतान नहीं कर रहे हैं। भुगतान के लिए किसान क्रय केन्द्रों के चक्कर काटने पर मजबूर है। भाजपा सरकार में गन्ना किसान तो पूरी तरह भगवान भरोसे है। भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों को धोखा दिया। पिछले दो सालों से गन्ना का मूल्य नहीं बढ़ाया गया। गन्ने की खेती की लागत बढ़ रही है। गन्ना किसानों को नुकसान हो रहा है। लेकिन सरकार को उनकी कोई चिंता नहीं है। गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रूपये चीनी मिलों पर बकाया है। सरकार के साथ मिली भगत कर चीनी मिले किसानों का पैसा दबाए बैठी है। अखिलेश यादव भाजपा सरकार किसानों की नहीं बड़े पूंजीपतियों की हमदर्द है। भाजपा सरकार को कम्पनियों के बिचौलियों के मुनाफे की फिक्र है। सरकारी खरीद केन्द्रों पर किसानों के फसल की एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही है। किसान अपनी फसल को मजबूरन औने-पौने दामों पर बेचने को विवष हो रहा है। यही वजह है कि आज किसानों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। भाजपा सरकार की उपेक्षा से नाराज किसान 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार को सबक सिखाएगा। आक्रोशित किसान भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा।

पुल की रेलिंग तोड़ खाई में गिरी रोडवेज बस, दो लोगों की मौत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग तुलसीपुर स्थित लौकहवा गांव के पास सुबह करीब 5.30 बजे यात्रियों से भरी रोडवेज बस पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे खाई में पलट गई। दुर्घटना में पचपेड़वा के औरहवा गांव निवासी 22 वर्षीय दिलीप प्रजापति पुत्र संतोष कुमार समेत दो यात्रियों की मौत हो गई।चालक संतोष कुमार सैनी व परिचालक मऊ निवासी सूरज व नेपाली यात्री समेत 18 लोग घायल हुए हैं जिन्हें जिला मेमोरियल अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर में भर्ती कराया गया है। चालक संतोष की हालत नाजुक होने पर बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।बलरामपुर डिपो की बस संख्या यूपी 47 टी 2648 गुरुवार रात करीब 11 बजे कैसरबाग लखनऊ से बढ़नी के लिए चली थी। सुबह करीब पांच बजे बलरामपुर में यात्रियों को उतारने के बाद बस बढ़नी के लिए निकली। बस में 36 यात्री सवार थे। राष्ट्रीय राजमार्ग तुलसीपुर स्थित लौकहवा गांव के पास बस अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए खाई में पलट गई। लोग बस में फंसे यात्रियों को निकालने का जतन करने लगे। पुलिस व एंबुलेंस भी पहुंच गई। ग्रामीणों की मदद से बस में फंसे घायलों को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। चालक, परिचालक समेत 30 वर्षीय मोहम्मद खान, भोजपुर संतरी निवासी 37 वर्षीय कृष्ण कुमार व अन्य घायलों को जिला मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया गया। चालक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने रेफर कर दिया। कुछ घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर पहुंचाया गया। इनमें दांग नेपाल के गुंगखोला निवासी 18 वर्षीय वीरू, कपिलवस्तु बढ़नी के कुशवा गांव निवासी 28 वर्षीय रामसागर, यही के 30 वर्षीय राधेश्याम, मड़ियांव लखनऊ की 20 वर्षीय लक्ष्मी, गौरा चौराहा के भगिया गांव की रहने वाली 40 वर्षीय चिनकना, औरहवा पचपेड़वा के 20 वर्षीय पिंटू विश्वकर्मा, यहीं के 28 वर्षीय उमर व 18 वर्षीय दुर्गेश कुमार का इलाज सीएचसी में चल रहा है।राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए दर्दनाक हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। बस में कई मृत यात्रियों के फंसे होने का कयास लोग लगाते रहे।

राम मंदिर के 14 दरवाजों पर चढ़ेगी सोने की परत,हैदराबाद के कारीगरों की नक्काशी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में कुल 46 दरवाजे होंगे। इसमें से 18 दरवाजे ग्राउंड फ्लोर पर लगेंगे। इन 18 में से 14 दरवाजों पर सोने की परत चढ़ेगी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के सागौन की खास लकड़ी से बने इन दरवाजों पर हैदराबाद के कारीगरों ने नक्काशी की है। इसके बाद इन पर तांबे की परत चढ़ाई गई। अब इस पर सोने की परत लगाने का काम जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले अयोध्या में एक महायज्ञ भी शुरू हुआ है। जो प्राण प्रतिष्ठा तक लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में कोई व्यवधान न आए। राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह से बनकर तैयार है। यहां लगने वाले 14 स्वर्ण जड़ित दरवाजों की जिम्मेदारी गाजियाबाद की एक ज्वेलर्स कंपनी को दी गई है। सूत्रों के अनुसार, 7 दरवाजों पर सोने की परत चढ़ा दी गई है। जनवरी के पहले सप्ताह तक सभी दरवाजें तैयार हो जाएंगे। इसी तरह राम मंदिर के गर्भगृह का सिंहासन भी बनकर तैयार हो चुका है। यहां भी सोने का काम होना बाकी है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कोशिश है कि 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले होने वाले सभी निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरे कर लिए जाए। बचे हुए कामों को हर हाल में जनवरी के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सभी कार्यों की समीक्षा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर अयोध्या आने वाले रामभक्तों का भी खास ख्याल रखा जा रहा है। 25 दिसंबर से 15 मार्च तक अयोध्या में 36 स्थान पर भंडारे चलेंगे। इसके लिए देशभर से राम भक्त अनाज और मसाले लेकर आ रहे हैं। अयोध्या में असम से चाय पत्ती, तेजपत्ता, दालचीनी, काली मिर्च और अदरक की पहली खेप आ चुकी है। हरियाणा से 400 क्विंटल चावल अयोध्या पहुंच चुका है। गोंडा से चीनी भेजी गई है। रामसेवक पुरम में केंद्रीय भंडार गृह बनाया गया है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की 4 नई तस्वीरें सामने आई है। शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने तस्वीरें जारी की हैं। पहली तस्वीर में राम मंदिर की छत पर काम किया जा रहा है। दूसरी तस्वीर में मंदिर के अंदर मंडप की है। जिसमें बेहतरीन नक्काशी की गई है। तीसरी तस्वीर में राम मंदिर में दर्शन मार्ग की तरफ बन रहे गेट की है। वहीं चौथी तस्वीर को क्रेन से ली गई है। जिसमें राम मंदिर के छत पर काम होता दिख रहा है।

छात्रा से रेप,घर लौटते समय युवक ने की दरिंदगी, पीड़िता ने बाइक के नंबर से पकड़वाया

गोण्डा। जिले में एक 16 साल की छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। रात को घर लौट रही छात्रा के साथ युवक ने दरिंदगी की। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला परसपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़ित छात्रा का गोंडा जिला महिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया है। छात्रा के मुताबिक, बीते मंगलवार को देर रात अपने घर आ रही थी। रास्ते में आरोपी अन्तिम सिंह ने अकेले पाकर घसीट लिया और खेत में ले जाकर दरिंदगी की। वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया।पीड़ित छात्रा ने आरोपी की मोटरसाइकिल का देख लिया और घर आकर परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी थी। इसके बाद परिवार के साथ थाने में जाकर पीड़ित छात्रा लिखित शिकायत देकर आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। साथ ही उसकी बाइक का नंबर नोट कराया।परसपुर पुलिस ने पूरे मामले में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट जैसी कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

17 करोड़ से बना बाजार अफसरों की खींचातानी से धूल फांक रहा 42 दुकानों का होना है आवंटन

बहराइच। अपनी फसल बेचने के लिए दूर न जाना पड़े इसके लिए योगी सरकार जिलों में किसान बाजार बना रही है। लेकिन कुछ अफसरों कि वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा है। इसका ताजा उदाहरण है बहराइच। यहां पिछले 7 साल से किसान बाजार बन रहा है। यह बाजार बनकर तैयार तो हैं, लेकिन आज भी वीरान पड़ा है। इस वीरान पड़े किसान बाजार को 2 साल में पूरा होना था। किसान बाजार को बनने में 6 साल क्यों लगे? ये एक सवाल है। साल 2015 में बहराइच की मंडी समिति ने बड़े जोर-शोर से मंडी परिषद, लखनऊ को प्रस्ताव दिया कि हमारे यहां के किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए काफी दूर जाना पड़ता है। इसलिए हम चाहते हैं कि उनके लिए बहराइच में ही किसान बाजार बना दिया जाए। लखनऊ मुख्यालय ने भी इस प्रस्ताव को हाथों हाथ लिया। किसान बाजार बनाने कि हरी झंडी दे दी। जगह का सिलेक्शन हो गया और जनवरी, 2016 में प्रस्ताव भी पास हो गया। तय हुआ कि 2 साल में किसान बाजार बनकर तैयार कर लिया जाएगा। इसके बाद मंडी परिषद की निर्माण और विद्युत खंड इकाई सक्रिय हो गई। टेंडर जारी कर काम भी शुरू करा दिया गया। लेकिन इसके बाद ही अफसरों का खेल भी शुरू हो गया। कहा जाने लगा कि किसान बाजार बनाने की जगह सही नहीं है। इसके बाद प्रोजेक्ट को भी रोक दिया गया। लेकिन बाद में सिर्फ बेसमेंट बनाने और लागत 17 करोड़ करने की शर्त पर प्रोजेक्ट फिर से शुरू हुआ। काफी अड़चनों के चलते 2 साल में पूरा होने वाला प्रोजेक्ट 6 साल में यानी 2022 में पूरा हो पाया। सिर्फ बेसमेंट में बनकर तैयार हुए किसान बाजार में कुल 42 दुकानें हैं। साथ ही 50 कारों का पार्किंग एरिया भी बनाया गया है। कंस्ट्रक्शन का काम पूरा होने के साथ ही विद्युतीकरण का काम भी पूरा हो चुका है। 11 केवी की लाइन और इसके निरीक्षण के लिए 39 लाख रुपए विद्युत विभाग में जमा किए जा चुके हैं। पिछले करीब 8 महीने से परिसर में लगे बिजली के इन उपकरणों की रखवाली एक व्यक्ति कर रहा है। जिस पर महीने का खर्च 15 हजार सैलरी और अन्य खर्चों के साथ मिलाकर करीब 20 हजार है। दरअसल, किसान बाजार में कुल 42 दुकानें बनी हैं। एक दुकान की कीमत 30 लाख रखी गई है। ये दुकानें व्यापारियों को बेची जाएंगी, जो किसानों से उनकी उपज खरीदेंगे। इससे किसानों को बहराइच से बाहर नहीं जाना पड़ेगा और ट्रांसपोर्ट पर कम खर्च के चलते उनकी आमदनी बढ़ जाएगी। इस बारे में जब गहनता से पड़ताल की गई।बहराइच मंडी परिषद के सचिव धनंजय सिंह इन दुकानों के आवंटन में रोड़ा बने हुए हैं। वह निर्माण खंडों (सिविल और विद्युत) से हस्तांतरण ही नहीं ले रहे हैं। इसके पीछे भी एक कहानी है। दरअसल, जिस समय किसान बाजार बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई, उस समय धनंजय सिंह सचिव नहीं थे। वह अभी कुछ समय पहले ही सचिव बनाए गए हैं। इसके चलते वह दुकान आवंटन की प्रक्रिया में रोड़ा हैं। डीएम मोनिका रानी ने बताया कि इस प्रकरण की जानकारी नहीं थी। अब प्रकरण संज्ञान में आया है। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। किसान राजितराम ने बताया कि किसान बाजार बनने उम्मीद जगी हुई थी। लेकिन वह सफेद हाथी साबित हो रही है। किसान बाजार शुरू होने से काफी राहत मिलेगी।

टक्कर मारने के बाद बस चालक भाग निकला था, पुलिस की दो टीमें कर रही थी तलाश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में बीती गुरुवार सुबह हुए सड़क हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया हैं। इस वीडियो फुटेज में एक दम साफदिखाई दे रहा है कि सभा खेड़ा गांव की ओर से एक सफेद रंग की कार मुड़ती है और इसी बीच स्कूटी सवार महिला कार से बचने के चक्कर में बस की चपेट में आ गई और स्कूटी सवार महिला और उसमें बैठे दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। बस और कार चालक दोनों ही अपने वाहन लेकर निकल जाते हैं। पीजीआई पुलिस ने शुक्रवार को सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई बस को अपने कब्जे में लेकर पीजीआई कोतवाली में खड़ा करवा कर उसके चालक की जानकारी कर रही हैं।पुलिस के मुताबिक, बस का नंबर (यूपी 34 एटी 0694) और उस पर आलमबाग डिपो लिखा हुआ है। पुलिस हादसे के वक्त कौन बस चला रहा था उस चालक की तलाश कर रही हैं। सभा खेड़ा मोड़ के पास जिस जगह हादसा हुआ था वहां एक डिवाइडर पर लगे एनएचआई की ओर से पोल पर बबजअ कैमरा लगा हुआ था जिसमें पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस चालक के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस के कहना है कि बस चालको की ड्यूटी बदलती रहती है पता लगाया जा रहा है कि कल हादसे के समय बस कौन चला रहा था। बीती गुरुवार सुबह एक महिला सपना सिंह स्कूटी से अपने दो बच्चों राखी (13) और अभिमन्यु (11) को बैठाकर उन्हें स्कूल छोड़ने जा रही थी। इस दौरान वह सभा खेड़ा मोड़ के पास बस की चपेट में आ जाने से तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एपेक्स ट्रामा सेंटर-2 पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने अभिमन्यु को मृत घोषित कर दिया था। सपना सिंह का दाहिना हाथ टूट गया था। जिन्हें डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद छुट्टी दे दी थी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर बस चालक की तलाश कर रही थी।

एंटी-करप्शन टीम ने कानूनगो को घूस लेते पकड़ा,सहयोगी भी हिरासत में

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील में तैनात कानून को शशिकांत उपाध्याय और उसके सहयोगी मोनू को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने घूस लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। एंटी करप्शन की टीम दोनों आरोपियों को अपने साथ लेकर गई। जानकारी के मुताबिक लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील में तैनात कानून को शशिकांत उपाध्याय के पास बहरौली राजस्व ग्राम क्षेत्र की जिम्मेदारी थी। वह अपने ऑफिस में बैठे हुए थे, तभी पीड़ित के साथ एंटी करप्शन की टीम भी तहसील पहुंची। एंटी करप्शन की टीम के सामने कानून को शशिकांत उपाध्याय ने पीड़ित किसान से घूस मांगी, तभी टीम ने कानूनगो को रंगे हाथों घूस लेते हुए पकड़ लिया। इस दौरान ऑफिस में कानूनगो शशिकांत उपाध्याय का सहयोगी मोनू भी मौजूद था।

17 दिसम्बर की रैली के लिए निकाला बाईक जूलूस

लखनऊ । अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश कार्यालय हलवासिया कोर्ट से सैकड़ों मोटरसाईकिल सवारों के साथ प्रदेश अध्यक्ष सुधीर एस. हलवासिया के नेतृत्व में दो पहिया वाहन रैली निकाली गयी जो हजरतगकंज, जीपी.ओ. विधान सभा मार्ग, हुसैनगंज, चारबाग, नाका बासमण्डी, लाटूश रोड, गणेशगंज, कैसरबाग, लालबाग होते हुए हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट पर समाप्त हुई। समापन के अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुधीर एस. हलवासिया ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा की वैश्य समाज के सभी उपवर्ग जब एक होकर वटवृक्ष का निर्माण करते हैं तो सभी शाखाओं की शक्ति से निकला हुआ बल किसी को भी चुनौती देने के लिए तैयार रहता है, वैश्य समाज अब सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को तैयार है। हमारे अधिकारों का ख्याल सरकारों को रखना होगा। उत्तर प्रदेश में हम छह करोड़ की आबादी में निवास करते हैं हमारी आबादी के अनुरूप हमें सभी क्षेत्रों में अवसर मिलना चाहिए। उत्तर प्रदेश के सभी मण्डलों में एक सांसद, प्रत्येक जनपदों में एक विधायक हमारे समाज से होना चाहिए।17 दिसम्बर 2023 रविवार को चारबाग रेलवे स्टेडियम में वैश्य समाज के चौरसिया, महाजन, भारद्वाज वैश्य, चौसेनी, चतुश्रेणी, पालीवाल, माहेश्वरी, जायसवाल, ऊमर, माथुर, दोसर, विजयवर्गीय, मोदनवाल, माहौर अयोध्यावासी, महावर, कानू, पटवा, सन्मानी, गहोई, शिवहरे, बरनवाल, बाथम, कायस्थ, जैन, केसरवानी, अग्रवाल, ओमर, खण्डेलवाल, कसौधन कान्यकुब्ज भुर्जी, बारहसेनी, कांस्यकार, खत्री, रौनियार, अंगयार, पुरवार, स्वर्णकार, रस्तोगी, राजवंशी, पोरवाल, वार्ष्णेय, साहू, मधेशिया, ओनाय, गुलहरे, अग्रहरि, यज्ञसैनी उपवर्गों का संयुक्त व केन्द्रीय संगठन अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन सभी उपवर्गों की मांग व समस्याओं के प्रति सजग है और उनके लिए संघर्ष करने को तैयार है।

पर्यटक सुविधाओ के लिए शुरूआती दौर में 01 करोड़ जारी: जयवीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । सोनभद्र के पीपरी में स्थित डोंगिया जलाशय को ईको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए लगभग 4.14 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। जिसके सापेक्ष 01 करोड़ रूपये की धनराशि विभिन्न कार्यों के लिए जारी की गयी है। इस धनराशि से डोंगिया जलाशय पर घाट और अन्य पर्यटक सुविधायें विकसित की जायेंगी। पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जनपद सोनभद्र को पर्यटन के मानचित्र पर लाने के लिए विभिन्न पर्यटन विकास कार्य कराये जा रहे हैं। इसी कड़ी में डोंगिया जलाशय के सौन्दर्यीकरण एवं अन्य सुविधायें विकसित करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि जनपद सोनभद्र अपने मनोरम दृश्यों, हरियाली एवं प्राकृतिक सुन्दरता से भरपूर है। जनपद की सीमायें 04 राज्यों को छूती हैं। इनमें छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड और मध्य प्रदेश शामिल हैं। सोनांचल और ऊर्जांचल के नाम से विख्यात इस जिले की तुलना स्वीटजरलैंड से की गयी है। राज्य सरकार इस जनपद को पर्यटन का हब बनाने के लिए प्रयासरत है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में वाराणसी घरेलू पर्यटकों की पहली पसंद है। 2022 में सात करोड़ 12 लाख 31 हजार पर्यटक आए थे। इसमें 83 हजार 741 विदेश से आने वाले पर्यटक थे। काशी विश्वनाथ कारिडोर बनने के बाद बहुत तेजी से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वाराणसी के आसपास बहुत से ऐसे धार्मिक, ऐतिहासिक और ईको पर्यटन स्थल हैं, जिसकी लोगों को या तो जानकारी नहीं है या तो बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसलिए पर्यटन विभाग प्राथमिकता के तौर पर पड़ोसी जिलों के पर्यटन स्थलों का विकास कर रहा है। सोनभद्र वाराणसी से करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित हैं। यहां पहाड़, जंगल, नदियां, झरने है। प्रकृति के अनोखे उपहार की वजह से लोग इसे मिनी गोवा के नाम से भी पुकारते हैं। जिला मुख्यालय से करीब 72 किलोमीटर दूर पिपरी नगर पंचायत में डोंगिया जलाशय है। जिला प्रशासन की ओर से बोटिंग शुरू कराई गई है। प्रतिदिन भ्रमण के लिए ढाई से तीन सौ लोग आते हैं। इसमें कुछ विदेशी पर्यटक होते हैं। पर्यटन विभाग इस स्थान को ईको पर्यटन के रूप में विकसित करेगा। इसमें डोंगिया जलाशय पर 50 मीटर तक घाट का विकास किया जाएगा। इसके अलावा गजिबो, बेंच, प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य कार्य कराए जाएंगे।

करंट से पिता- पुत्र की मौत, गेहूं की फसल की सिंचाई करते समय चपेट में आए

गोण्डा। जिले में परसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव के रहने वाले सेज पिता-पुत्र की देर रात खेत की सिंचाई करते समय करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची परसपुर पुलिस ने बाप बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की जांच में जुटी हुई है। परसपुर थाना क्षेत्र का राजापुर ग्राम पंचायत के बलिकनपुरवा मजरे के रहने वाले 25 वर्षीय विपिन सिंह और 48 वर्षीय राघवेंद्र सिंह घर से कुछ दूरी पर स्थित अपने खेत पर पंपिंग सेट से गेंहू की सिंचाई कर रहे थे। खेत के बगल लगे विद्युत पोल पर हाथ रखते ही दोनों बाप बेटे करंट की चपेट में आ गए जहां दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। मृतक राघवेंद्र की पत्नी किरन सिंह ने परसपुर थाना अध्यक्ष शेषमणि पांडेय को फोन पर पूरे मामले की सूचना दी मौके पर पहुंचे थाना अध्यक्ष ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की जांच में जुटी हुई है। मृतक राघवेंद्र के दो बेटे और एक बेटी है। बाप बेटे की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है रो-रो कर बुरा हाल है।

मांस-मछली की खुले में बिक्री पर रोक लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करें मध्य प्रदेश सरकार: मायावती

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मध्य प्रदेश में खुले स्थानों पर मांस और मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर शुक्रवार को निशाना साधा है। उन्होंने कहा इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''मध्य प्रदेश की नवगठित भाजपा सरकार द्वारा बेरोजगारों व अन्य गरीब मेहनतकशों को रोटी-रोजी उपलब्ध कराने के जरूरी फैसला करने के बजाय, रोजगार के अभाव में मछली, अंडा, मीट आदि का खुले में स्वरोजगार करने वालों का दमन शुरू कर देना कितना उचित? इस विवादित फैसले पर पुनर्विचार जरूरी। उन्होंने कहा, ''मध्य प्रदेश सरकार ही नहीं बल्कि सभी सरकारों को महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्या को दूर करने के लिए पूरी तन्मयता से काम करने की जरूरत है। फिर भी इन चीजों के खुले में व्यापार करने पर इतनी ज्यादा आपत्ति है तो उन्हें उजाड़ने से पहले सरकार दुकान आवंटित करने की व्यवस्था क्यों नहीं करती? मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली मंत्रिमंडल बैठक करते हुए बुधवार को खुले स्थानों पर मांस और मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। मुख्यमंत्री यादव ने कहा था कि खुले में मांस और मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने के लिए खाद्य विभाग, पुलिस और स्थानीय शहरी निकायों द्वारा 15 से 31 दिसंबर तक एक अभियान चलाया जाएगा।

वॉशआउट के बाद नियमित रूप से निगरानी के लिए गठित होगी टीम, पुलिस करेगी मदद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के हॉस्टलों में वॉशआउट होगा। चीफ प्रॉक्टर ने पुलिस प्रशासन और हॉस्टलों के अधीक्षकों के साथ बैठक की। वॉशआउट के बाद नियमित रूप से निगरानी के लिए टीम का गठन होगा।इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) हॉस्टलों में वॉशआउट की कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। बृहस्पतिवार को चीफ प्रॉक्टर और पुलिस प्रशासन के बीच हुई बैठक में तय हुआ कि इस बाबत जल्द ही एक कार्ययोजना तैयार कर अभियान चलाया जाएगा। चीफ प्रॉक्टर ने हॉस्टलों के अधीक्षकों के साथ भी बैठक की और वॉशआउट के बाद हॉस्टलों में नियमित निगरानी के लिए टीम गठित करने का निर्णय लिया।पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर कर्नलगंज इंस्पेक्टर बृजेश सिंह और उनके सहयोगियों ने चीफ प्रॉक्टर डॉ. राकेश सिंह के साथ हुई बैठक में पुलिस प्रशासन की ओर से छात्रावासों की अनुशासन व्यवस्था सुधारने के लिए पूरा सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया गया। बैठक में तय हुआ कि जल्द ही एक कार्ययोजना तैयार कर हॉस्टलों में वॉशआउट की कार्रवाई की जाएगी।इसके बाद चीफ प्रॉक्टर की अध्यक्षता में हॉस्टल के अधीक्षकों के साथ हुई बैठक में तय हुआ कि वॉशआउट के बाद हॉस्टलों से जुड़े सभी शिक्षकों, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों, डीएसडब्ल्यू कार्यालय से संबद्ध शिक्षकों और स्थानीय पुलिस थाना/चौकी के एक टीम बनाई जाएगी, जो समय-समय पर छात्रावासों में जाकर अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेगी।निर्णय लिया गया कि किसी छात्र के नाम आवंटित कक्ष में कोई दूसरा व्यक्ति रह रहा है और छात्र की ओर से इस आशय की कोई शिकायत अधीक्षक को नहीं दी गई है तो संबंधित अंतःवासी को भी दोषी माना जाएगा और उसका पंजीकरण/प्रवेश तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा। छात्रावास में बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रजिस्टर में उसकी पूरी जानकारी दर्ज की जाएगी और रात आठ बजे के बाद किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।छात्रावास में अंतःवासी या बाहरी व्यक्ति के चार पहिया वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

रोजगार मेले का आयोजन

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज व माडल कैरियर सेंटर एवं स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में जिला रोजगार सृजन केन्द्र, प्रयागराज परिसर(निकट बालसन चैराहा) में दिनांक 18.12.2023 को प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है। इन मेलों में निजी क्षेत्र की लगभग 15 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी । विभिन्न कम्पनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इन मेलों में 1500 रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेगी। इस मेले में हाई-स्कूल/इण्टर/स्नातक /आई0टी0आई0/डिप्लोमा उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। सभी प्रतिभागी अपना बॉयोडाटा/रिज्यूम अपने साथ लेकर आयेंगे। अभ्यर्थी रिक्तियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल sewayojan.up.nic.in पर प्राप्त कर सकते हैं। इस मेले में प्रतिभाग हेतु यात्रा भात्ता देय नहीं होगा।

डिवाइडर से टकराकर पलटी कार, हादसे में दो लोग घायल

प्रयागराज। प्रयागराज में एक कार डिवाइडर के टकराने के बाद हादसे का शिकार हो गई। डिवाइडर से टकराने के बाद कार पलट गई और इसके बाद दो लोग घायल हो गए।धूमनगंज की तरफ से सिविल लाइंस की ओर जा रही एक कार गुरुवार देर रात डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इससे कार में सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, उन्हें स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात करीब एक बजे एक सफेद रंग की कार तेज रफ्तार से सिविल लाइंस की ओर जा रही थी। चौफटका के निकट पहुंचने पर अचानक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। चीख पुकार मचने पर राहगीरों ने पुलिस को घटना की खबर दी। कैंट पुलिस मौके पर पहुंचकर किसी तरह कार सवार युवकों को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। कार सवार दोनों युवकों की हालत गंभीर बनी हुई है। कल देर रात अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलटी कार में सवार दोनों साथी की इलाज के दौरान मौत। मरने वालों में श्रेयांश मिश्रा 18 पुत्र ब्रह्मानंद मिश्रा निवासी राजरूपपुर, धूमनगंज व दूसरा अनुराज शर्मा 20 पुत्र वेदप्रकाश शर्मा निवासी मीरापुर अतरसुइया का रहने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई

प्रयागराज। दिनांक 15.12.2023 को पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना फूलपुर पुलिस टीम द्वारा थाना फूलपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-394/2023 धारा-376D/323/342/504/506 भा0द0सं0 व 67ए आई0टी0एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मिथिलेश कुमार पुत्र कमलेश कुमार निवासी बरई तारा, मौजा चतुर्भुजपुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को दिनांक 15.12.2023 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत महुआ कोठी के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-मिथिलेश कुमार पुत्र कमलेश कुमार निवासी बरई तारा, मौजा चतुर्भुजपुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 23 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-394/2023 धारा-376डी/323/342/504/506 भा0द0सं0 व 67ए आई0टी0एक्ट थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1.प्रभारी निरीक्षक दीन दयाल सिंह , थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज 2.उ0नि0 मोनिश आलम, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.हे0का0 राशीद खां, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.का0 शिवम यादव, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज ।5.का0 रामाश्रय यादव, थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज।

"Operation Conviction" के तहत प्रयागराज पुलिस द्वारा अभियुक्त करावास व 500 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया

प्रयागराज। मा0 न्यायालय पॉक्सो-02 इलाहाबाद द्वारा थाना नवाबगंज प्रयागराज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-678/2021 धारा-4/5 विस्फोटक अधिनियम के अभियुक्त मो0 इरफान पुत्र मो0 सलीम निवासी दरगाह शरीफ मंडुवाडीह कमिश्नरेट वाराणसी को दिनांक 14.12.2023 को प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप धारा-4/5 विस्फोटक अधिनियम में 02 वर्ष 04 माह का करावास व 500 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न अदा करने पर 15 दिवस का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतेय होगी ।दोष सिद्ध अभियुक्त का विवरण-मो0 इरफान पुत्र मो0 सलीम निवासी दरगाह शरीफ मंडुवाडीह कमिश्नरेट वाराणसी ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-678/2021 धारा-4/5 विस्फोटक अधिनियम थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।पैरवी करने वाली टीम का विवरण- 1. विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक ।2. प्र0नि0 कुशलपाल सिंह, थाना प्रभारी नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 हरिओम कोर्ट मोहर्रिर । 4. का0 रजनीश कुमार कुशवाहा पैरोकार, थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना होलागढ पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज।थाना होलागढ़ पुलिस टीम द्वारा थाना होलागढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-220/23 धारा-379 भा0द0सं0 से सम्बंधित 02 अभियुक्त 1. मनोज कुमार शुक्ला पुत्र श्रीधर नारायण शुक्ला निवासी ग्राम हंसराजपुर थाना होलागढ कमिश्नरेट प्रयागराज 2. मोहित सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी ग्राम महेशपुर थाना नबावगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को दिनांक 15.12.2023 को थाना होलागढ़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम तरती हाइवे के पास से गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-411 भा0द0सं0 की बढोत्तरी कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-1. मनोज कुमार शुक्ला पुत्र श्रीधर नारायण शुक्ला निवासी ग्राम हंसराजपुर थाना होलागढ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 48 वर्ष ।2. मोहित सिंह पुत्र विजय बहादुर सिंह निवासी ग्राम महेशपुर थाना नबावगंज कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 30 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-220/2023 धारा-379 भा0द0सं0 व बढोत्तरी धारा-411 भा0द0सं0 थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 अखिलेश कुमार सिंह, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज । 2. का0 मो0 इरफान खान, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. का0 अनिल चौधरी, थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना नैनी पुलिस द्वारा 01अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 02 कारतूस 315 बोर बरामद

प्रयागराज। थाना नैनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर दिनांक 13.12.2023 को अभियुक्त नितिन निषाद पुत्र स्व0 अशोक निषाद निवासी सिरसा वार्ड नं0 8 थाना मेजा जनपद प्रयागराज हालपता अरैल संगम रोड नैनी जनपद प्रयागराज को बंधा रोड अरैल के पास थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त के कब्जे से 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 02 कारतूस 315 बोर बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 656/23 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-नितिन निषाद पुत्र स्व0 अशोक निषाद निवासी सिरसा वार्ड नं0 8 थाना मेजा जनपद प्रयागराज हालपता अरैल संगम रोड नैनी जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 19 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 656/23 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण- 01 अवैध तमंचा 315 बोर व 02 कारतूस 315 बोर पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 राहुल कुमार सिंह, चौकी प्रभारी जेलरोड थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 जनमेजय कुमार, थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.उ0नि0 संदीप यादव, थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.हे0का0 शमशेर सिंह, थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।5.का0 अभिषेक अवस्थी थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।

थाना बारा पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का 2690/- रूपये बरामद

प्रयागराज। थाना बारा में पंजीकृत मु0अ0सं0 187/2023 धारा 380 भा0द0वि0 का वांछित अभियुक्त अजय बिन्द उर्फ गुनी पुत्र रामकरन निवासी ग्राम रिगवां थाना बारा जनपद प्रयागराज को आज दिनांक 15.12.2023 को थाना बारा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर रिगवां तिराहा थाना क्षेत्र बारा से गिरफ्तार किया गया।अभियुक्त के कब्जे से चोरी का 2690/- रूपये बरामद किया गया।

कलयुगी बेटे की खौफनाक करतूतः मां के शव को सूटकेस में भरकर संगम पहुंचा बेटा, पुलिस को हुआ शक; गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में बिहार के युवक को पुलिस ने मां के शव को सूटकेस में भरकर संगम पहुंचे पर गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में बताया कि वह शव उसके मां का है।प्रयागराज में एक कलयुगी बेटे की करतूत सामने आई है। बिहार के गोपालगंज जनपद का रहने वाला हिमांशु अपने मां के शव को सूटकेस में भरकर ट्रेन से प्रयाग स्टेशन पर उतारा था। वहां से वह ई रिक्शा से शव को लेकर संगम जा रहा था। दारागंज पुलिस को शक होने पर ई-रिक्शा को रुकवाकर सूटकेस को खुलवाया तो एक महिला का शव मिला। पूछताछ में बताया कि वह शव उसके मां का है। पुलिस युवक को गिरफ्तार करके पूछताछ कर रही है।डीसीपी नगर दीपक भूकर ने बताया कि 13 दिसंबर को हरियाणा के हिसार जिले के रहने वाले हिमांशु ने अपनी मां प्रतिमा देवी (42) से पांच हजार रुपये मांगे थे। जब मां ने मना किया तो उनके बीच झगड़ा हो गया और हिमांशु ने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। साथ ही कहा कि उसी शाम, उसने अपनी मां के शव को एक सूटकेस में पैक किया और ट्रेन से प्रयागराज आ गया। उसने शव को संगम में ठिकाने लगाने की साजिश रची थी।

कोयला व्यवसायी रूंगटा को धमकाने में मुख्तार अंसारी दोषी

कोर्ट ने माफिया को सुनाई साढ़े पांच साल की सजाय 10 हजार का जुर्माना भी लगा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। कोयला व्यवसायी नंद किशोर रूंगटा के भाई महावीर प्रसाद रूंगटा को धमकी देने के मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को दोषी करार दिया। एमपी-एमएलए कोर्ट के पीठासीन अधिकारी उज्जवल उपाध्याय ने मुख्तार अंसारी को साढ़े पांच साल की सजा सुनाई। साथ ही 10 हजार का जुर्माना भी लगाया।पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी बांदा जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। उसके खिलाफ वाराणसी और गाजीपुर समेत 40 मुकदमों में सुनवाई चल रही है। ज्यादातर केस ट्रायल पर हैं और जजमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्तार को अब तक कुल 7 केस में सजा सुनाई जा चुकी है। भेलूपुर के जवाहर नगर एक्सटेंशन कालोनी निवासी कोयला व्यवसायी नंद किशोर रूंगटा का 22 जनवरी 1997 को अपहरण कर लिया गया था। इस वारदात के पीछे उसकी मंशा चुनाव लड़ने के लिए पैसे का इंतजाम करना था। तीन करोड़ की फिरौती के लिए मुख्तार ने अपने गुर्गे पांच लाख के इनामी अताउर रहमान उर्फ बाबू उर्फ सिकंदर को इस किडनैपिंग की जिम्मेदारी सौंपी थी। गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थानांतर्गत महरुपुर गांव निवासी अताउर रहमान हजारीबाग का कोयला कारोबारी विजय बनकर रूंगटा के घर गया था। घर में बिजनेस डील को लेकर बातचीत के दौरान इनामी बाबू चाय पीने व दस्तावेज दिखाने के बहाने उन्हें घर से बाहर ले गया। इस दौरान कार में बैठाकर कुछ देर तक उसने नंद किशोर रूंगटा को घुमाया। कोयला कारोबार से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी दिखाए। इसके बाद चाय पिलाई। चाय में नशीला पदार्थ मिला होने के कारण नंद किशोर सुधबुध खो बैठे। इसके बाद 22 जनवरी 1997 को उनके घर फोन कर परिवारीजन को उनके अपहरण की जानकारी देते हुए तीन करोड़ रुपए मांगे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इसमें एक करोड़ की पहली किश्त दे भी दी गई लेकिन रुंगटा का फिर भी कुछ पता नहीं लग सका।पांच नवंबर 1997 की शाम में नंद किशोर रुंगटा के भाई महावीर प्रसाद रूंगटा के लैंडलाइन फोन पर धमकी दी गई कि अपहरण कांड में पुलिस और ब्ठप् में पैरवी न करें, नहीं तो बम से उसे उड़ा दिया जाएगा। इस मामले में एक दिसंबर 1997 को भेलूपुर थाने में मुख्तार अंसारी के खिलाफ धमकाने का मुकदमा दर्ज किया गया था।कहा जाता है कि फिरौती की पहली किश्त मिलने से पहले ही रूंगटा की हत्या कर शव को प्रयागराज में ठिकाने लगा दिया गया था। इसके बाद अताउर रहमान उर्फ बाबू भाग कर नेपाल चला गया। इस मामले की सीबीआइ जांच भी हुई थी, लेकिन अताउर रहमान उनके हाथ नहीं लगा। मुख्तार ने नेपाल से उसे बुलाकर विधायक कृष्णानंद राय की हत्या में भी लगाया।

थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार,कब्जे से चोरी की 02 मोटर साइकिल बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-674/2023 धारा-379 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 02 अभियुक्त 1.संजय कुमार सिंह उर्फ सोनू पुत्र बिजय बहादुर निवासी जालापुर थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज 2. अखिलेश उर्फ कोमल उर्फ अमन पुत्र लक्ष्मीकान्त वर्मा निवासी मर्दापुर थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को उपरोक्त मुकदमें से सम्बन्धित चोरी की 01 मोटर साइकिल चेचिस नं0-MBLHA10ASDHK32153 वाहन सं0 UP70 CH 2779 तथा 01 अन्य चोरी की मोटर साइकिल चेचिस नं0-MBLHA10EJ9HL49479 वाहन सं0 UP 70 BC 3808 के साथ थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक 15.12.2023 को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत गोसईपुर टोला के पास से गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे धारा-411/413/414 भा0द0सं0 की वृद्धि की गयी । गिरफ्तारी के पश्चात आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1.संजय कुमार सिंह उर्फ सोनू पुत्र बिजय बहादुर निवासी जालापुर थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 22 वर्ष ।2.अखिलेश उर्फ कोमल उर्फ अमन पुत्र लक्ष्मीकान्त वर्मा निवासी मर्दापुर थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 19 वर्ष ।पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-674/2023 धारा-379 भा0द0सं0 व बढोत्तरी धारा-411/413/414 भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज । अभियुक्त संजय कुमार सिंह उर्फ सोनू उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-1.मु0अ0सं0-71/18 धारा-395 भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज । 2.मु0अ0सं0-39/18 धारा-395/412 भा0द0सं थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज । 3.मु0अ0सं0-30/18 धारा-395/412 भा0द0सं0 थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज । 4.मु0अ0सं0-104/18 धारा-41/411/413 भा0द0सं0 थाना खुल्दाबाद कमिश्नरेट प्रयागराज । 5.मु0अ0सं0-266/18 धारा-2/3 गैंगेस्टर एक्ट थाना खुल्दाबाद कमिश्नरेट प्रयागराज । 6.मु0अ0सं0-147/18 धारा-394/395/412 भा0द0सं0 थाना झूँसी कमिश्नरेट प्रयागराज । 7.मु0अ0सं0-154/18 धारा-394/395/412 भा0द0सं0 थाना झूँसी कमिश्नरेट प्रयागराज । 8.मु0अ0सं0-68/18 धारा-395/412 भा0द0सं0 थाना दारागंज कमिश्नरेट प्रयागराज । बरामदगी का विवरण-01 मोटर साइकिल, चेचिस नं0-MBLHA10ASDHK32153, वाहन सं0 UP70 CH 2779 01 मोटर साइकिल, चेचिस नं0-MBLHA10EJ9HL49479, वाहन सं0 UP 70 BC 3808 गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1.उ0नि0 भूपेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.उ0नि0 सुमित आनन्द, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।3.उ0नि0 सुनील कुमार यादव, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।4.का0 शिवम यादव, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।5.का0 अभिषेक कन्नौजिया, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

यूपी रोडवेज- कल आधी रात के बाद 150 रुपये कम हो जाएगा दिल्ली का किराया

प्रयागराज।यूपी रोडवेज की एसी श्रेणी की सभी बसों में दस फीसदी किराया कम हो रहा है। 16 दिसंबर 2023 से यह व्यवस्था अगले वर्ष 28 फरवरी 2024 तक लागू रहेगी।यूपी रोडवेज की सभी एसी बसों का किराया शुक्रवार की रात 12 बजे के बाद दस फीसदी कम हो जाएगा। एसी जनरथ बस द्वारा प्रयागराज से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को 150 रुपये कम किराया देना होगा। इतना ही नहीं वॉल्वो से लखनऊ जाने वाले यात्रियों का किराया 62 रुपये कम हो जाएगा।दरअसल, सर्दी के मौसम में यात्रियों की एसी बसों में कम आवाजाही को देखते हुए यूपी रोडवेज ने इस बार प्रयोग के तौर पर पिछले माह ही दस फीसदी किराया कम करने का एलान किया था। यह व्यवस्था 16 दिसंबर से प्रभावी हो जाएगी। बसों का किराया कम करने की वजह यात्रियों को एसी बसों के प्रति आकर्षित करना है, ताकि सर्दी के मौसम में एसी बसें खाली न चलें।बसों का नया किराया शुक्रवार की रात 12 बजे के बाद प्रभावी हो जाएगा। 16 दिसंबर से प्रयागराज से लखनऊ को जाने वाली एसी वॉल्वो का किराया 670 की

क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टीम द्वारा साइबर जागरुकता अभियान चलाकर स्कूली बच्चों को किया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। श्रीमान पुलिस आयुक्त ,पुलिस उपायुक्त यमुनानगर व अपर पुलिस उपायुक्त(अपराध)कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन में चलाये जा रहे साइबर जागरुकता अभियान व मिशन शक्ति 4.0 विशेष अभियान के क्रम में क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टीम द्वारा आज दिनांक 14.12.2023 को संत जोसेफ स्कूल, नैनी, प्रयागराज में आयोजित पुलिस पाठशाला में विशेष अभियान के अन्तर्गत प्रतिभाग किये लगभग 150 बच्चों को साइबर अपराध के प्रति जागरुक किया गया तथा रोकथाम हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये। जागरुक करते हुए किसी भी व्यक्ति के साथ साइबर फ्राड होने की दशा में तत्काल 1930 पर कॉल एंव www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करने हेतु बताया गया।साइबर जाकरूकता अभियान में प्रतिभाग करने वाली पुलिस टीम1.उ0नि0 विनोद कुमार, साइबर सेल प्रभारी, कमिश्नरेट प्रयागराज।2.क0आ0 ग्रेड ए जय प्रकाश सिंह, साइबर सेल कमिश्नरेट प्रयागराज।3.का0 आशीष शर्मा, साइबर सेल कमिश्नरेट प्रयागराज4.का0 कृष्णवीर, साइबर सेल कमिश्नरेट प्रयागराज।

चार्जिंग में लगाते ही फटा मोबाइल और तड़पने लगा छात्र, कुछ देर में ही तोड़ दिया दम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। प्रतापगढ़ में युवक की मोबाइल चार्ज करने के दौरान मौत हो गई। दरअसल, जैसे ही फोन चार्जिंग पर लगाया, वैसे ही धमाके के साथ फट गया। चार्जर के खुले तार पर हाथ लगने से युवक झुलस गया। अस्पताल में युवक ने दम तोड़ दिया।प्रतापगढ़ के कुंडा के ढिकुही खेमीपुर गांव में एक युवक की मोबाइल चार्ज करने के दौरान मौत हो गई। फोन चार्जिंग में लगाते ही फट गया था। युवक का हाथ तार पर पड़ा, जिसके करंट से वह झुलस गया था। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बचाया न जा सका।ढिकुही खेमीपुर निवासी अनुज प्रजापति (20) बुधवार की देर शाम अपने कमरे में मोबाइल चार्जिंग पर लगाने गया था। जैसे ही उसने मोबाइल चार्जिंग पर लगाया तो वह धमाके के साथ फट गया। चार्जर के तार खुल गए और हड़बड़ाहट में अनुज का हाथ खुले तार पर पड़ गया और वह करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया।अनुज की चीख सुनकर घर वाले वहां पहुंचे तो वह चिपका हुआ था। किसी तरह तार से उसे अलग किया गया और इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों के मुताबिक, अनुज बीए का छात्र था। उसकी अभी उसकी शादी नही हुई थी। बेटे की मौत पर पिता बृजलाल, मां राजपती और भाई-बहन रोते-बिलखते रहे। बृजलाल के पांच बेटे और तीन बेटियां हैं, मृतक अनुज घर में सबसे छोटा था।क्या है हादसे का कारण इस तरह के हादसे का कारण कई बार मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट होता है तो कई बार यूजर्स की लापरवाही। आमतौर पर इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट और स्मार्टफोन में तभी आग लगती है जब पावर सप्लाई में दिक्कत होती है। कई बार फोन को चार्ज करने के लिए जरूरत से ज्यादा पावर वाले चार्जर और लोकल चार्जर का इस्तेमाल किया जाता है। इस कारण से भी पावर सप्लाई में दिक्कत आती है और फोन की बैटरी फटने जैसी स्थिति उत्पन्न होती है।ओरिजनल चार्जर से ही चार्ज करें फोन अगर आप फोन को चार्ज करने के लिए लोकल चार्जर का यूज कर रहे हैं तो इसे तुरंत बंद कर करें। यह स्मार्टफोन की बैटरी को तो खराब करता ही है साथ ही बैटरी ब्लास्ट का प्रमुख कारण भी बन सकता है। दरअसल, लोकल चार्जर में पावर फ्लो कम-ज्यादा होता रहता है, जो स्मार्टफोन की बैटरी पर दबाव बनाता है और अधिक दबाव से कई बार बैटरी ब्लास्ट तक हो जाती है। ऐसे में फोन को चार्ज करने के लिए सिर्फ फोन के ओरिजनल चार्जर का ही इस्तेमाल करें। फोन को पूरा डिस्चार्ज ना करें फोन की बैटरी को पूरा डिस्चार्ज होने से पहले चार्जिंग पर लगा दें और फोन को 100 फीसदी तक चार्ज करने से बचें। यानी आपको फोन को 30 फीसदी बैटरी होने से पहले ही चार्ज कर लेना चाहिए, क्योंकि कम बैटरी होने पर फोन जरूरत से ज्यादा गरम हो जाता है, जो कि ब्लास्ट का कारण बन सकता है। वहीं फोन को ज्यादा चार्ज करने से बैटरी की क्षमता प्रभावित होती है और बैटरी पर अधिक दबाव पड़ता है। कोशिश करें कि फोन को 95-98 फीसदी होने पर ही चार्जिंग से निकाल लें। फोन बहुत गर्म होने पर इस्तेमाल ना करें लगातार गेम खेलने या फोन इस्तेमाल करने से भी फोन बहुत ज्यादा हीट हो जाता है और इसका फोन की बैटरी पर भी असर पड़ता है। दरअसल, गेमिंग के दौरान फोन का प्रोसेसर तेजी से काम करता है और फोन काफी गर्म हो जाता है। ऐसे में ओवर हीट फोन ब्लास्ट की वजह बन सकता है। यदि आपका फोन भी गेमिंग के दौरान ओवर हीट हो जाता है तो फोन को थोड़ी देर के लिए बंद कर दें और तुरंत चार्जिंग पर न लगाएं। चार्जिंग के समय ना चलाएं फोन चार्जिंग के दौरान फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। ऐसा करना भी खतरनाक हो सकता है। और फोन में ब्लास्ट होने की संभावना बढ़ जाती है। दरअसल, स्मार्टफोन चार्जिंग के दौरान काफी हीट होता है और इस दौरान फोन इस्तेमाल करने से फोन पर अचानक अतिरिक्त दबाव आ जाता है। ऐसे समय में बैटरी फटने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।